जागृति

शिवानी: हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषाओं का सम्पोषण एवं समन्वय केंद्र

अर्धवार्षिक सूचनापत्र खंड 3, अंक 2

(जुलाई – दिसंबर 2024)

JAGRITI

SHIVANI CENTRE FOR NURTURE AND REINTEGRATION OF HINDI AND OTHER INDIAN LANGUAGES

Half yearly Newsletter Volume 3, Issue 2

(July-December 2024)

विषयसूची

Table of contents

आयोजन / Events

भारतीय भाषा उत्सव	Bhartiya Bhasha Utsav	02
अक्षर: एक साहित्यिक महोत्सव	Akshar: An IIT Kanpur literary festival	04
दास्तान-ए-मेहेक: कहानी वाचन और साहित्यिक कला का प्रदर्शन	Dastan-e-Mehek: A Showcase of Storytelling and Literary Art	14
गाथा महोत्सव: भारतीय साहित्य, संस्कृति और कला का उत्सव	Gatha Mahotsav: A Celebration of Indian Literature, Culture, and Art	15

प्रतियोगिताएँ, कार्यशालाएँ और परिचर्चाएँ / Competitions and Workshops

अल्फाज़: रचनात्मक काव्य लेखन पर कार्यशाला	Alfaz: A Workshop on Creative Poetic Writing	19
हिंदी पखवाड़ा: हिंदी दिवस के अवसर पर दो सप्ताह का उत्सव	Hindi Pakhwada: A Two-Week Celebration of Hindi Diwas	20
दास्तान-ए-महक: एक मनोरंजक कहानी वाचन कार्यशाला	Dastan-e-Mehek: A Workshop on the Art of Storytelling	22
रचनात्मक लेखन प्रतियोगिता: मुंशी प्रेमचंद जी की याद में	Competition on Creative Writing: In memory of Munshi Premchand ji	23
संग्राम-ए-अल्फाज़: काव्य पाठ प्रतियोगिता	Sangram-e-Alfaz: A Poetry Recitation Competition	24

गतिविधियाँ / Activities

पूर्व छात्र श्री राजीव रंजन का शिवानी केंद्र में आगमन	Visit of Alumni Mr. Rajeev Ranjan to Shivani Centre, IIT Kanpur	25
आईआईटी कानपुर में पीजी अभिमुखीकरण कार्यक्रम	PG Orientation Program at IIT Kanpur	26
अंतर्राष्ट्रीय छात्रों कि हिंदी कक्षाओं का समापन समारोह	Closing ceremony of Hindi classes for International students	27
एन एस एस स्वयंसेवकों द्वारा तैयार की गई शैक्षणिक सामग्री	Academic Content Created by NSS Volunteers	29
आगामी आयोजन	**Upcoming Events**	30
कर्मचारी सदस्य और संपर्क	**Staff Members & Contacts**	32

आयोजन/ Events

भारतीय भाषा उत्सव: भारतीय भाषाओं की विविधता का महोत्सव: 11 दिसंबर 2024

Bhartiya Bhasha Utsav: A Celebration of the Diversity of Indian Languages: 11 December, 2024

A student presenting at the event 'Bhartiya Bhasha Utsav' (11/12/2024)

Prof. Santosh Misra addressing the event, Bhartiya Bhasha Utsav, IITK (11/12/2024)

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर में **11 दिसंबर 2024** को दोपहर 3:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक लेक्चर हॉल-16 में भारतीय भाषा उत्सव आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम प्रसिद्ध तमिल कवि, लेखक, पत्रकार और प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी **श्री चिन्नास्वामी सुब्रमण्यम भारती** की जयंती का प्रतीक है, जो 32 भाषाओं में पारंगत थे। उन्हें पतंजलि योग सूत्र और भगवद गीता का तमिल में अनुवाद करने के लिए भी जाना जाता है। यह उत्सव उनकी विरासत का सम्मान करने के लिए आयोजित किया गया था।

इस कार्यक्रम का आयोजन शिवानी केंद्र,राजभाषा प्रकोष्ठ, और हिंदी साहित्य सभा, आईआईटी कानपुर के छात्र संगठन द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में **प्रो. ब्रज भूषण**, उप निदेशक, **प्रो. शलभ**, शैक्षणिक कार्य के अधिष्ठाता, और **श्री विश्व रंजन**, कुल सचिव, तथा अन्य विशिष्ट अतिथिगण ने इस अवसर को सुशोभित किया। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुई।

अगले खंड में, शिवानी केंद्र, आईआईटी कानपुर के समन्वयक **प्रो. कांतेश बालानी** ने स्वागत भाषण दिया। तत्पश्चात **प्रो. संतोष कुमार मिश्रा** ने भाषा की सरलता पर विस्तार से प्रकाश डाला। इसके बाद प्रो. शलभ ने विभिन्न भाषाओं में फॉन्ट के महत्व पर अपनी विशेष टिप्पणियाँ दीं।

An Indian Languages Festival, Bhartiya Bhasha Utsav was held at the Indian Institute of Technology, Kanpur, on **December 11, 2024**, from 3:00 PM to 5:00 PM in Lecture Hall-16. The event marks the birth anniversary of the renowned Tamil poet, writer, journalist, and prominent freedom fighter, **Shri Chinnaswamy Subramania Bharati**, who was proficient in 32 languages. He is also known for translating the Patanjali Yoga Sutras and the Bhagavad Gita into Tamil. The festival was organized to honour his legacy.

The event was jointly hosted by Shivani Centre, Rajbhasha Prakoshth, and Hindi Sahitya Sabha, a student body of IIT Kanpur. The Chief Guest, **Prof. Braj Bhushan**, Deputy Director, along with Distinguished Guests, **Prof. Shalabh**, Dean of Academic Affairs, and Mr. Vishwa Ranjan, Registrar, graced the occasion. The program began with the lighting of the lamp by the Chief Guest and Distinguished Guests.

In the next segment, **Prof. Kantesh Balani**, Coordinator of the Shivani Centre, IIT Kanpur, delivered the welcome address. This was followed by Prof. Santosh Kumar Mishra, who elaborated on the simplicity of language. Prof. Shalabh then highlighted the importance of fonts in different languages.

मुख्य अतिथि प्रो. ब्रज भूषण ने विभिन्न भाषाओं में पढ़ने के आनंद को दर्शाते हुए अपने छात्र जीवन के व्यक्तिगत अनुभव साझा किए। इसके अलावा कुल सचिव श्री विश्व रंजन ने प्रासंगिक उदाहरण प्रदान करते हुए समझाया कि कैसे भाषा में उच्चारण वक्ता की क्षेत्रीय पहचान को प्रकट कर सकता है।

अगले सत्र में, **प्रो. अर्नब भट्टाचार्य** ने "***भाषा प्रसंस्करण में प्रौद्योगिकी की भूमिका***" पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने चर्चा की कि कैसे तकनीकी प्रगति ने भाषा विश्लेषण, अनुवाद और संवाद को बदल दिया है। प्रोफेसर भट्टाचार्य ने भाषा प्रसंस्करण प्रणालियों को बढ़ाने और आधुनिक दुनिया पर उनके बढ़ते प्रभाव में प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण (एनएलपी) और मशीन लर्निंग जैसे उपकरणों के महत्व पर प्रकाश डाला।

इसके बाद, ***ओपन माइक सत्र*** में, संस्थान के विभिन्न वक्ताओं ने **हिंदी** और अन्य भाषाओं, जैसे **तेलुगु, तमिल, मलयालम, कन्नड़, मराठी, सिंधी, भोजपुरी** और **छत्तीसगढ़ी** में प्रदर्शन प्रस्तुत किया। प्रतिभागियों में श्री शिवेन पी, सुश्री लक्ष्मी, श्री दीपक कुशवाहा, सुश्री शरवरी जी. राव, सुश्री छवि श्रीवास्तव, सुश्री सौम्या मिश्रा, श्री मोहित चौधरी, श्री सौभाग्य पांडे और श्री गोविंद शर्मा शामिल थे। इस आयोजन में विभिन्न भारतीय भाषाओं में संगीत, कविता एवं अन्य प्रस्तुतियाँ शामिल थी। सभी ने इस कार्यक्रम को खूब सराहा। यह आयोजन श्रोताओं द्वारा बहुत पसंद किया गया और जोरदार तालियों से सम्मानित किया गया। इस महोत्सव का समापन आईआईटी कानपुर के **प्रो. एस. एस. के. अय्यर** द्वारा दिए गए धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ।

Prof. Braj Bhushan, the Chief Guest, shared his personal experiences from his student life, illustrating the joy of reading in different languages. Mr. Vishwa Ranjan, Registrar, explained how pronunciation in language can reveal the speaker's regional identity, providing relevant examples.

In the following session, **Prof. Arnab Bhattacharya** presented a talk on the "***Role of Technology in Language Processing.***" He discussed how technological advancements have transformed language analysis, translation, and communication. Prof. Bhattacharya highlighted the importance of tools like natural language processing (NLP) and machine learning in enhancing language processing systems and their growing impact on the modern world.

Subsequently, in the ***Open mic session***, various speakers from the institute presented performances in **Hindi** and other languages, such as **Telugu, Tamil, Malayalam, Kannada, Marathi, Sindhi, Bhojpuri,** and **Chhattisgarhi**. The participants included Mr. Shiven P, Ms. Lakshmi, Mr. Deepak Kushwaha, Ms. Sharvari G. Rao, Ms. Chavi Srivastava, Ms. Soumya Mishra, Mr. Mohit Choudhary, Mr. Shubhagya Pandey, and Mr. Govind Sharma. The performances, which included music renditions, poetry, and presentations in various Indian languages, were thoroughly appreciated by everyone. The event was well received by the audience and was warmly applauded. The festival concluded with a vote of thanks delivered by **Prof. S. S. K. Iyer**, IIT Kanpur.

Celebration of the event: Bhartiya Bhasha Utsav organized at IITK (11/12/2024)

This event celebrated the rich linguistic diversity and cultural heritage of India, promoting the importance of mother tongues and raising awareness of linguistic and cultural traditions. It brought together the students, faculties, and community of IIT Kanpur to reflect on the significance of language in our lives.

अक्षर- आईआईटी कानपुर का एक साहित्यिक उत्सव: 17 से 19 अक्टूबर 2024

Akshar- An IIT Kanpur Literary Festival: 17 to 19 October 2024

Inauguration of Mega Book Fair (17/10/2024)

Book fair hosted by 'Akshar' 2024 (17/10/2024)

साहित्यिक उत्सव अक्षर का आयोजन 17 से 19 अक्टूबर, 2024 तक किया गया। यह आयोजन आईआईटी कानपुर के आउटरीच ऑडिटोरियम में हुआ और इसका आयोजन शिवानी केंद्र: हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं का सम्पोषण एवं समन्वयन, राजभाषा प्रकोष्ठ (हिंदी सेल), हिंदी साहित्य सभा और ग़ाथा - एक लोकप्रिय ऑडियो होस्टिंग प्लेटफॉर्म के संयुक्त प्रयास से किया गया। पिछले दो वर्षों की तरह, यह उत्सव 20वीं शताब्दी की प्रसिद्ध हिंदी उपन्यासकार स्वर्गीय श्रीमती गौरा पंत, 'शिवानी' जी के जीवन और कार्यों की स्मृति को समर्पित था।

ऐसे उत्सवों का उद्देश्य साहित्य और कला के क्षेत्र में विचारों के आदान-प्रदान को सुगम बनाना, रचनात्मकता को बढ़ावा देना और साहित्यिक रुचियों को साझा करना है। इस उत्सव में साहित्य, कविता, कहानी वाचन, नाटक, संगीत और चर्चाओं से संबंधित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसने लेखकों, कलाकारों और साहित्य प्रेमियों के लिए एक मंच प्रदान किया, जिससे साहित्यिक समृद्धि का वातावरण बना।

इसके अतिरिक्त, अक्षर 2024 में आईआईटी कानपुर के आउटरीच ऑडिटोरियम के लॉन में एक विशाल पुस्तक मेले का आयोजन किया गया। इस मेले में देश भर के प्रमुख प्रकाशकों ने भाग लेकर विभिन्न भाषाओं की किताबों का प्रदर्शन किया, जिसमें बच्चों के लिए एक विशेष पुस्तक अनुभाग को भी शामिल किया गया।

The literary festival Akshar kicked off from October 17 to 19, 2024. The event was held at the Outreach Auditorium of IIT Kanpur and was organized through the joint efforts of the Shivani Centre for the nurture and reintegration of Hindi and other languages, Rajbhasha Prakosht (Hindi Cell), Hindi Sahitya Sabha, and Gaatha, a popular audio hosting platform. As in the past two years, the festival was dedicated to the memory of the life and works of the renowned 20th-century Hindi novelist, the late Smt. Gaura Pant, Shivani ji.

The purpose of such festivals is to facilitate the exchange of ideas in the fields of literature and art, promote creativity, and share literary interests. The festival featured a variety of programs related to literature, poetry, storytelling, drama, music, and discussions. It provided a platform for writers, artists, and literary enthusiasts, fostering an atmosphere of literary richness.

Notably, Akshar 2024 also hosted a mega book fair at the Outreach Auditorium lawns of IIT Kanpur. The book fair featured prominent book publishers from throughout the country, showcasing works in a wide array of languages. A special section for children's books was also included in the fair.

प्रथम दिवस - अक्षर 2024: 17 अक्टूबर 2024

अक्षर 2024 के पहले दिन, कार्यक्रम की शुरूआत गणमान्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के द्वारा उद्घाटन के साथ हुआ। इसमें **प्रो. कुमार वैभव श्रीवास्तव** (डीन ऑफ़ एडमिनिस्ट्रेशन) , **प्रो. शलभ** (डीन ऑफ़ ऐकडेमिक अफेयर्स), **प्रो. सुमन सौरभ** (एसोसिएट डीन ऑफ़ स्टूडेंट्स अफेयर्स), **प्रो. तरुण गुप्ता** (डीन ऑफ़ रिसर्च एंड डेवलपमेंट), **प्रो. कांतेश बालानी** (शिवानी केंद्र के समन्वयक), **प्रो. अर्क वर्मा** (शिवानी केंद्र के सह-समन्वयक), **श्री अमित तिवारी** (गाथा के संस्थापक) और **श्री विश्व रंजन** (कुल सचिव) शामिल थे। इस प्रतीकात्मक कार्य के साथ साहित्य और कला का एक यादगार उत्सव शुरू हुआ।

Day One - Akshar 2024: 17 October 2024

On its opening day, the event began with the ceremonial lighting of the lamp by distinguished guests, including **Prof. Kumar Vaibhav Srivastava** (Dean of Administration), **Prof. Shalabh** (Dean of Academic Affairs), **Prof. Suman Saurabh** (Associate Dean of Student Affairs), Prof. Tarun Gupta (Dean of Research and Development), **Prof. Kantesh Balani** Coordinator of Shivani Centre), **Prof. Ark Verma** (Co-coordinator of Shivani Centre), **Mr. Amit Tiwari** (Founder of Gaatha), and **Mr. Vishwa Ranjan** (Registrar). This symbolic gesture marked the beginning of an eventful celebration of literature and the arts.

Address of the event 'Akshar' by Prof. Kantesh Balani, IIT Kanpur (17/10/2024)

Inauguration of Literature Festival 'Akshar' (17/10/2024)

दीप प्रज्वलन के पश्चात्, प्रो. कांतेश बालानी ने स्वागत भाषण दिया। उन्होंने मंच पर उपस्थित सम्मानित मुख्य अथितियों और सभागार में उपस्थित साहित्य प्रेमियों का अभिवादन किया। उन्होंने उत्सव की संक्षिप्त रूपरेखा प्रस्तुत की, जिसमें उन्होंने बताया कि अक्षर 2024 में साहित्य, कला और रचनात्मकता से जुड़े कई रोमांचक कार्यक्रम होंगे। प्रो. बालानी ने आशा जताते हुए कहा कि इस उत्सव से लोगों में साहित्य और कला के प्रति और अधिक रुचि जागेगी।

Following the lighting of the lamp, Prof. Kantesh Balani delivered a heartfelt welcome address, extending his greetings to the dignitaries on stage and the literature enthusiasts present in the auditorium. He provided a brief outline of the festival, emphasizing that Akshar 2024 would be a vibrant convergence of exciting events rooted in literature, arts, and creativity. Expressing his hopes for the festival, Prof. Balani mentioned that it would inspire a deeper love and interest in literature and the arts among the attendees.

Coordinators of HSS being felicitated by the chief guests at 'Akshar' event (17/10/2024)

'Shivani ke Sahitya se Parichay': Ms. Sudipti being felicitated by Prof. Ark Verma (17/10/2024)

प्रो. अर्क वर्मा ने कहा कि, अक्षर 2024 सिर्फ तीन दिन का कार्यक्रम नहीं है, बल्कि पूरे साहित्यिक समुदाय के लिए एक भव्य उत्सव है। इसके अतिरिक्त प्रोफेसर कुमार वैभव श्रीवास्तव ने आउटरीच ऑडिटोरियम के लॉन में स्थापित पुस्तक मेले का उद्घाटन किया। तत्पश्चात आईआईटी कानपुर के छात्र समूह के हिंदी साहित्य सभा के पूर्व समन्वयकों को हिंदी साहित्य के विकास में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। विशेष अतिथियों ने उन्हें स्मृति चिन्ह और प्रशंसा पत्र देकर उनके योगदान को सम्मानित किया।

इस उत्सव में **शिवानी जी की साहित्यिक कृतियों का परिचय** नामक एक सत्र आयोजित किया गया। इस सत्र में, **सुश्री सुदीप्ति** ने शिवानी जी की साहित्यिक कृतियों पर एक संक्षिप्त व्याख्यान प्रस्तुत किया , जिसमें उनकी रचनाओं को विशेष रूप से उजागर किया गया। शिवानी जी के साहित्य में उनके समय के जटिल आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया गया था। उन्होंने विशेष रूप से महिलाओं के मुद्दों पर गहराई से चर्चा की, उनके संघर्षों और मनोवैज्ञानिक चुनौतियों पर प्रकाश डाला। अपने लेखन में, उन्होंने उस युग की महिलाओं द्वारा सामना की जा रही कठिन परिस्थितियों का एक जीवंत चित्रण किया, उनके आंतरिक संघर्षों और सामाजिक दबावों को दर्शाया। इस सत्र के माध्यम से, दर्शकों को शिवानी जी की साहित्यिक दुनिया का अनूठा अनुभव प्राप्त करने का अवसर मिला।

अगले सत्र में कथारंग समूह ने ***शिवानी जी की प्रसिद्ध कहानियाँ*** "सिद्धि माई" और "सती" का नाटकीय रूपांतरण प्रस्तुत किया। **सुश्री अनुपमा शरद, सुश्री नूतन वशिष्ठ, सुश्री पुनीता अवस्थी, श्री अनमोल मिश्रा** और **श्री कौन्तेय जय** के इस प्रदर्शन ने शिवानी जी के पात्रों और उनके संघर्षों को जीवंत कर दिया। कहानी के भावपूर्ण अंदाज़ ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

Prof. Ark Verma remarked that Akshar 2024 is not merely a three-day event but a grand celebration for the entire literary community. As part of the inaugural proceedings, Prof. Kumar Vaibhav Srivastava also inaugurated the book fair set up on the lawns of the Outreach Auditorium. Additionally, the students of IIT Kanpur and former coordinators of the Hindi Sahitya Sabha were felicitated for their exemplary contributions, receiving mementos and certificates of appreciation from the esteemed guests.

The festival proceeded with a segment, ***Introduction to the literary works of Shivani ji***. In this session, **Ms. Sudipti** presented a brief lecture on Shivani ji's literary works, highlighting her creations. Shivani ji's literature focused on the complex economic, political, and social issues of her time.

She especially delved deeply into women's issues, shedding light on their struggles and psychological challenges. In her writings, she painted a vivid picture of the dire circumstances faced by women of that era, capturing their internal struggles and societal pressures. Through this session, the audience was offered a unique opportunity to explore Shivani ji's world of literature.

The Katharang Group took the stage in the next session: ***Shivani ki kahaniyaan*** performing Shivani ji's well-loved stories “Siddhi Mai” and “Sati” in a deeply impactful theatrical presentation. The performance, led by **Ms. Anupama Sharad, Ms. Nutan Vashisht, Ms. Punita Awasthi, Mr. Anmol Mishra,** and **Mr. Kaunteya Jai**, captivated the audience with its expressive storytelling, bringing Shivani ji's characters and their struggles to life.

Events / आयोजन

'Bachchon ka kona' by IIT Kanpur kids (17/10/2024)

Open Mic,'Aaj ke Ubharte Sitare' (17/10/2024)

अगले सत्र में ***बच्चों का कोना*** कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें युवा प्रतिभाओं को अपनी रचनात्मक और साहित्यिक प्रतिभा प्रदर्शित करने का मंच मिला। आईआईटी कानपुर के बच्चों ने कला, संगीत और भाषा के रूप में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम प्रस्तुत किए। **अर्नायक चक्रवर्ती, अरात्रिका वर्मा, आव्या बाजपेयी, मान्या, अविरत, शैली ओमर , निकित शर्मा, वेदांत रंजन, सौम्या उपाध्याय** और **ओम उपाध्याय** जैसे प्रतिभागियों ने अपने असाधारण प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया। इस आयोजन का उद्देश्य युवा होती पीढ़ी को कला, संस्कृति और साहित्य से जोड़ना था।

तत्पश्चात, ***आज के उभरते सितारे*** प्रस्तुति ने कार्यक्रम को आगे बढ़ाया, जिसमें नई प्रतिभाओं को मंच प्रदान किया। युवा, होनहार कवियों और लेखकों को अपनी मूल रचनाएँ प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया। **सुश्री दीक्षा तिवारी, श्री प्रशांत द्विवेदी 'मृदुल', श्री कौन्तेय जय, श्री गोविंद द्विवेदी, श्री आशीष शर्मा, सुश्री हरप्रीत कौर 'प्रीत'** और **श्री जलज श्रीवास्तव** जैसे प्रतिभावान कवियों ने मंच पर अपनी अनूठी रचनाएँ साझा कीं। सुश्री पल्लवी गर्ग के कुशल संचालन में इस सत्र ने युवा कलाकारों को अपने अभिनव दृष्टिकोण को साहित्य जगत में पेश करने का एक मंच प्रदान किया। उभरते सितारों की प्रस्तुतियों ने दर्शकों को अत्यंत प्रभावित किया।

Next, the event proceeded with the session ***Bachchon ka Kona***, offering a stage for young minds to showcase their creative and literary talents. Children from IIT Kanpur presented a wide range of performances, displaying their talents in the form of art, music, and language. Participants such as **Arnayak Chakraborty, Aratrika Verma, Avya Bajpai, Manya, Avirat, Shaily Omar, Nikit Sharma, Vedant Ranjan, Soumya Upadhyay,** and **Om Upadhyay** impressed everyone with their exceptional performances. The goal of this event was to connect young minds with literature, culture, and arts.

Aaj ke Ubharte Sitare segment continued the event, highlighting fresh talent and offering a platform for young, promising poets and writers to present their original works. Aspiring poets such as **Ms. Diksha Tiwari, Mr. Prashant Dwivedi 'Mridul', Mr. Kaunteya Jai, Mr. Govind Dwivedi, Mr. Ashish Sharma, Ms. Harpreet Kaur 'Preet'**, and **Mr. Jalaj Srivastava** took to the stage and shared their unique creations. The session was hosted by Ms. Pallavi Garg, bringing the innovative approaches of these young artists to the literary world. The audience was enthralled by their work, appreciating their artistic expressions and unique voices.

Events / आयोजन

'Daastangoi: Daastan-e-Sahir Ludhianavi' (17/10/2024)

*Theatrical Rendition: Ram ki Shakti Puja by **Roopvani** theater group (17/10/2024)*

अगले सत्र, ***दास्तांगोई: दास्तान-ए-साहिर*** में हिंदी सिनेमा के सबसे प्रतिष्ठित कवियों और गीतकारों में से एक, साहिर लुधियानवी को श्रद्धांजलि दी गई। श्री हिमांशु बाजपेयी और सुश्री प्रज्ञा शर्मा ने लुधियानवी के जीवन और कार्यों का एक मनोरम विवरण प्रस्तुत किया, जिसमें उनके कालजयी छंदों के पीछे की काव्य प्रतिभा पर प्रकाश डाला गया। इस जोड़ी की प्रस्तुति ने दर्शकों को साहिर के संघर्षों, एक लेखक के रूप में उनके सफर और उनकी कविता की गहरी भावनात्मक परतों से रुबरु कराया। यह सत्र साहित्य और सिनेमा में साहिर की अमर लोकप्रियता को समर्पित था। इस प्रस्तुति को दर्शकों द्वारा खूब सराहना मिली।

दिन का समापन प्रसिद्ध हिंदी कवि सूर्यकांत त्रिपाठी निराला की रचना ***राम की शक्ति पूजा*** के सांस्कृतिक प्रदर्शन के साथ हुआ। वाराणसी के रंगमंच समूह रुपवाणी ने **श्री व्योमेश शुक्ला** के निर्देशन में इस कविता का नाट्य मंचन किया। निराला की 'राम की शक्ति पूजा' एक प्रभावशाली कृति है जो रामायण में लंका युद्ध और अच्छाई-बुराई के बीच के शाश्वत संघर्ष को दर्शाती है। इस प्रदर्शन में भगवान राम की शक्ति और भक्ति को उजागर किया गया, जिसमें रावण पर उनकी विजय को धर्म की जीत के रूप में चित्रित किया गया। इस प्रदर्शन से दर्शक अत्यधिक प्रभावित हुए और उन्होंने खड़े होकर करतल ध्वनि से कलाकारों का अभिवादन किया।

उद्घाटन दिवस के अंत में, प्रो. अर्क वर्मा ने दर्शकों और कलाकारों को उनके सहयोग और उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए धन्यवाद दिया।

The subsequent session, ***Dastangoi: Dastan-e-Sahir Ludhianavi***, paid tribute to one of the most iconic poets and lyricists of Hindi cinema, Sahir Ludhianvi. **Mr. Himanshu Bajpai** and **Ms. Pragya Sharma** presented a captivating account of Ludhianvi's life and works, shedding light on the poetic genius behind his timeless verses. The duo's presentation took the audience through Sahir's struggles, his journey as a writer, and the deep emotional layers of his poetry. The session was a heartfelt reminder of Sahir's enduring relevance in both the world of literature and cinema. The show was well-received and greatly appreciated by everyone.

The day ended with a cultural performance of ***Ram Ki Shakti Pooja,*** a poem by the eminent Hindi poet Surya Kant Tripathi Nirala. The poem was brought to life by the theater group Rupwani from Varanasi, under the direction of **Mr. Vyomesh Shukla**. Nirala's Ram Ki Shakti Pooja is an impressive work that displays the Ramayana's Lanka war and the eternal struggle between good and evil. The performance highlighted Lord Ram's strength and devotion, portraying his triumph over the powerful Ravana as a victory of righteousness. The audience was deeply moved by the performance and gave it a standing ovation.

At the end of the opening day, Prof. Ark Verma delivered the vote of thanks to the audience and performers for their participation and outstanding performances.

द्वितीय दिवस- अक्षर 2024: 18 अक्टूबर 2024

Day Two - Akshar 2024: 18 October 2024

Panel Discussion, 'Cinema: Mahej Manoranjan ya Samajik Parivartan ka Sadhan' (18/10/2024)

Prof. Satyaki Roy felicitating Mr. Atul Tiwari (18/10/2024)

पहले दिन की मनमोहक प्रस्तुतियों के बाद, अक्षर 2024 के दूसरे दिन चर्चाओं और प्रदर्शनों ने नई ऊंचाइयाँ छुईं। दिन की शुरुआत एक विचारोत्तेजक पैनल चर्चा के साथ हुई, जिसका शीर्षक था- ***सिनेमा: केवल मनोरंजन या सामाजिक परिवर्तन का एक उपकरण***। इस चर्चा सत्र में फिल्म उद्योग के प्रसिद्ध हस्तियों ने भाग लिया, जिनमें **श्री अतुल तिवारी**, एक प्रसिद्ध फिल्म लेखक और अभिनेता; श्री सुहैल ततारी, एक भारतीय फिल्म निर्देशक और अभिनेता; **सुश्री मेघना मलिक**, जो लोकप्रिय रूप से 'अम्मा जी' के नाम से जानी जाती हैं, कार्यक्रम 'ना आना इस देश लाडो' से; और **श्री तरुण शुक्ला**, हिंदी सिनेमा, टेलीविजन और रंगमंच में सक्रिय एक अभिनेता शामिल रहे। चर्चा का कुशलतापूर्वक संचालन श्री आनंद कक्कड़ ने किया।

पैनलिस्ट के सदस्यों ने इस बात पर जोर दिया कि सिनेमा आधुनिक जीवन का एक अभिन्न अंग बन चुका है। यह न केवल मनोरंजन का माध्यम है, बल्कि समाज के समक्ष एक आईना भी पेश करता है। जातिवाद, महिला अधिकार, गरीबी और पर्यावरण जैसी ज्वलंत समस्याओं को सिनेमा ने बड़े पर्दे पर उतारा है। इन कहानियों के माध्यम से सिनेमा दर्शकों को सोचने पर मजबूर करता है और समाज में बदलाव लाने की प्रेरणा देता है। इस चर्चा में सिनेमा और समाज के बीच गहरे संबंध पर प्रकाश डाला गया।

अगले सत्र में, **श्री सुहेल गुर्जर**, जो **राहगीर** के नाम से जाने जाते हैं, ने एक अद्भुत संगीत प्रस्तुति दी। राजस्थान के लोकप्रिय गायक, कवि और यात्री राहगीर को उनके गीत 'आदमी बावला है कुछ भी चाहता' के लिए खासकर युवाओं में काफी पसंद किया जाता है। उनके गीतों में गहन सामाजिक संदेश छिपे होते हैं, और वे न सिर्फ अपनी मधुर आवाज बल्कि अपने विचारोत्तेजक शब्दों से भी श्रोताओं को प्रभावित करते हैं। उनके गिटार बजाने की धुन और मधुर आवाज के जादू से सभी उपस्थित लोग मंत्रमुग्ध हो गए। इस प्रस्तुति को दर्शकों द्वारा भरपूर सराहना मिली।

Following mesmerizing performances on day one, the second day of Akshar 2024 reached new heights as discussions and performances unfolded. The day began with a thought-provoking panel discussion on the topic, ***Cinema: Mere Entertainment or a Tool for Social Change***. The session featured renowned figures from the film industry, including **Mr. Atul Tiwari**, a famous film writer and actor; **Mr. Suhail Tatari**, an Indian film director and actor; **Ms. Meghna Malik**, popularly known as "Amma ji" from the show 'Na Aana Is Des Laado'; and **Mr. Tarun Shukla**, an actor active in Hindi cinema, television, and theatre. The discussion was expertly moderated by Mr. Anand Kakkar.

The panellists emphasized that cinema, an essential part of modern life, offers not just entertainment but also a mirror to societal issues. Movies address a range of topics, from caste discrimination to women's rights, poverty, and environmental concerns. The discussion provided valuable insights into how cinema shapes and reflects societal issues while inspiring change.

The next session featured an insightful Music performance, ***Rahagir live*** by **Mr. Suhail Gurjar**—better known as Rahagir, the singer, poet, and traveler from Rajasthan. Famous for his hit song Aadmi Bawla Hai Kuch Bhi Chahta, Rahagir has won the hearts of many, particularly among the youth. His songs carry powerful social messages, and he captivates his audience not only with his voice but also with his thought-provoking lyrics. As he strummed his guitar and began singing, the audience was entranced by his melodious voice. The show received widespread applause from everyone.

Events / आयोजन

Kathak dance performances (18/10/2024)

Semi-classical music performance (18/10/2024)

अक्षर का दूसरा दिन एक मंत्रमुग्ध कर देने वाले ***कथक नृत्य*** प्रदर्शन के साथ जारी रहा, जो उत्तर भारत का एक शास्त्रीय नृत्य रूप है तथा जटिल हाव-भावों के माध्यम से कहानियाँ बयान करता है। 'कथा' शब्द से उत्पन्न, कथक का इतिहास बेहद समृद्ध है। यह भारत के प्राचीन काल से जुड़ा है और महाभारत में भी इसका उल्लेख मिलता है। **सुश्री संगीता श्रीवास्तव, सुश्री अमृता भूषण, सुश्री विष्णु प्रिया, सुश्री अक्षिता भूषण, सुश्री अरात्रिका वर्मा, सुश्री निरवी चांडक, सुश्री आरोही सिंह, सुश्री आराध्या सिंह, सुश्री प्रत्यक्ष मालवीय, सुश्री मोही मालवीय, सुश्री ऋचा राघव, सुश्री समृद्धि उपाध्याय, सुश्री जानवी बख्शी, श्री उज्ज्वल यादव** और **सुश्री यशी द्विवेदी सहित** सभी कलाकारों ने कथक की सुंदरता और तकनीकी पक्ष को दर्शकों के सामने प्रस्तुत किया। प्रत्येक भाव-भंगिमा में परंपरा और आधुनिकता का अद्भुत सम्मिश्रण देखने को मिला।

इसके बाद, एक मनमोहक ***अर्ध-शास्त्रीय संगीत संध्या का आयोजन*** किया गया। कोलकाता के प्रतिभाशाली कलाकारों, जिनमें **सुश्री ईशा चक्रवर्ती, सुश्री विश्वोमय चक्रवर्ती, श्री सुरजीत रॉय** और **सुश्री तपोविभा बरुआ** शामिल हैं, ने एक ऐसे संगीत का प्रदर्शन किया जिसने दर्शकों के दिलों को छू लिया। उनके भावपूर्ण गायन के साथ-साथ ग़ज़लों की खूबसूरत प्रस्तुति ने दर्शकों को संगीत के जादू से पूरी तरह से मंत्रमुग्ध कर दिया।

The day continued with a mesmerizing ***Kathak dance*** performance, a classical dance form from North India that narrates stories through intricate movements. Derived from the Sanskrit word "Katha" meaning story, Kathak dance has a rich history, dating back to the ancient times of India and even mentioned in the Mahabharata. The dancers, including **Ms. Sangeeta Srivastava, Ms.Amrita Bhushan, Ms.Vishnu Priya, Ms. Akshita Bhushan, Ms. Aratrika Verma, Ms. Nirvi Chandak, Ms. Aarohi Singh, Ms. Aradhya Singh, Ms. Pratyaksh Malviya, Ms. Mohi Malviya, Ms. Richa Raghav, Ms. Samriddhi Upadhyay, Ms. Janvi Bakshi, Mr. Ujjwal Yadav,** and **Ms. Yashi Dwivedi**, presented breath taking performances that showcased the grace and technical brilliance of Kathak. The audience was captivated as each movement told a story, combining tradition and modern creativity.

Later in the evening, the stage was set for a beautiful ***Semi-classical music performance***. The talented artists from Kolkata, including **Ms. Isha Chakraborty, Ms.Vishwomay Chakraborty, Mr. Surojit Roy,** and **Ms. Tapovibha Barua**, delivered a performance that resonated deeply with the audience. Their soulful renditions, along with a beautiful presentation of ghazals, left the audience completely captivated by the music.

Shaam-e-Qawwali by Mr. Yusuf Nizami (18/10/2024)

Padmashri Dr. Soma Ghosh at 'Hindustani Shastriya Sangeet ki Ek Shaam' (18/10/2024)

Musical performance, Raangon ke Rang by Mr. Anirudh Verma (18/10/2024)

शाम ढलते ही, **शाम-ए-कव्वाली** का एक ऐसा मनोरम आयोजन हुआ जिसने संगीत प्रेमियों को मंत्रमुग्ध कर दिया। सिकंदराबाद घराने के प्रसिद्ध गायक **श्री यूसुफ खान निज़ामी**, जो निज़ामुद्दीन दरगाह से भी जुड़े हुए हैं, ने अपनी मधुर आवाज़ से कव्वाली की समृद्ध विरासत को जीवंत किया। श्री निज़ामी की आवाज़ ने पूरे हॉल को अपनी मधुरता से भर दिया और सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस कार्यक्रम ने एक बार फिर साबित किया कि कव्वाली की कला आज भी लोगों के दिलों को छूती है और उन्हें भावविभोर करती है।

अगली प्रस्तुति एक अविस्मरणीय **हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत समारोह** की थी। प्रसिद्ध **पद्मश्री** सम्मानित **डॉ. सोमा घोष** ने अपनी मधुर आवाज़ से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उस्ताद बिस्मिल्ला खान की शिष्या, डॉ. घोष ने शास्त्रीय संगीत की दुनिया में एक अद्वितीय मुकाम हासिल किया है। इस संगीत समारोह में उन्होंने कजरी, ठुमरी, राग यमन, राग कल्याण जैसे विभिन्न रागों के साथ-साथ ग़ज़लों का भी मनमोहक गायन किया। उनके संगतकारों, **श्री पंकज कुमार मिश्रा** (हारमोनियम),**श्री वीरेंद्र श्रीवास्तव** (इलेक्ट्रॉनिक पैड, **श्री नाज़िश जब्बार हुसैन** (तबला), और **श्री अमित महेश भुनावत** (कीबोर्ड)ने उनकी प्रस्तुति को और भी शानदार बनाया। कलाकारों का आपसी तालमेल इतना खूबसूरत था कि यह संगीत सिर्फ आवाज़ नहीं, बल्कि एक भावनात्मक सफर था जो सीधे दिल तक पहुंच गया।

संगीत के इस सफर को समाप्त करते हुए, ***रागों के रंग*** ने हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत और पश्चिमी वाद्य यंत्रों का एक अनूठा संगम प्रस्तुत किया। यह संगीत समारोह प्रतिभाशाली पियानो वादक, संगीतकार और निर्माता **श्री अनिरुद्ध वर्मा** के नेतृत्व में यह समारोह पारंपरिक और समकालीन संगीत का एक अद्भुत मिश्रण था। यह प्रदर्शन पारंपरिक शास्त्रीय संगीत से आगे था,और दर्शक इस सुंदर संगम से मोहित हो गए,जिसने उन पर एक अमिट छाप छोड़ी। अक्षर 2024 का दूसरा दिन कला,संस्कृति और चर्चा का एक अविस्मरणीय उत्सव था,जिसमें संगीत,नृत्य और सिनेमा में पारंपरिक और आधुनिक अभिव्यक्तियों का मिश्रण था।

As the evening unfolded, a memorable session of ***Shaam-e-Qawwali*** took place, enchanting the hearts of music lovers. **Mr. Yusuf Khan Nizami**, from the renowned Sikandarabad gharana and associated with the Nizamuddin Dargah in Delhi, brought the tradition of Qawwali to life. His powerful yet melodious voice filled the room, creating an unforgettable experience for everyone present. The centuries-old tradition of Qawwali, which continues to stir deep emotions in listeners, was beautifully showcased during this session.

The next performance was an unforgettable ***Hindustani Classical Music Concert***, where the legendary ***Padmashri*, Dr. Soma Ghosh** mesmerized the audience with her serene voice. A disciple of the great Ustad Bismillah Khan, Dr. Ghosh has earned a distinguished place in the classical music world. During this concert, she performed various ragas, including Kajari, Thumri, Raga Yaman, and Raga Kalyan, along with ghazals, all supported by the exceptional talent of her accompanists: **Mr. Pankaj Kumar Mishra** (harmonium), **Mr. Virendra Srivastava** (electronic pad), **Mr. Nazish Jabbar Hussain** (tabla), and **Mr. Amit Mahesh Bhunawat** (keyboard). The seamless harmony between the artists made the experience even more enchanting, demonstrating that Hindustani classical music is not just sound, but an emotional journey that resonates with the heart and soul.

To conclude the day's musical journey, ***Raagon ke Rang*** presented a unique fusion of Hindustani classical music with Western instruments. The concert, led by **Mr. Anirudh Verma**, a talented pianist, composer, and producer, was a celebration of both traditional and contemporary music. The performance went beyond traditional classical music, and the audience was captivated by the beautiful fusion, leaving a lasting impression on them. The second day of Akshar 2024 was an unforgettable celebration of art, culture, and discussion, blending traditional and modern expressions in music, dance, and cinema.

तृतीय दिवस- अक्षर 2024: 19 अक्टूबर 2024

Krishna Vachya by Dr. Alok Bajpayi (19/10/2024)

भारत की समृद्ध साहित्य और संस्कृति की झलक दिखाते हुए अनेक मनोरंजक कार्यक्रमों के बाद अक्षर के तीसरे और अंतिम दिन का उत्साहपूर्ण आरंभ हुआ। दिन की शुरुआत प्रसिद्ध मनोचिकित्सक और लेखक **डॉ. आलोक बाजपेयी** द्वारा **कृष्ण वाच्य: मानव रूपी भगवान से शिक्षा** विषय पर एक आकर्षक चर्चा के साथ हुई। यह सत्र **सुश्री भावना मिश्रा** द्वारा संचालित किया गया था। चर्चा का बिन्दु भगवान कृष्ण के मानवीय पहलू पर केंद्रित था, जिसका उद्देश्य महाभारत काल के दौरान उनके जीवन और भूमिका को मानवीय दृष्टिकोण से समझना था। भगवद गीता की शिक्षाओं का विश्लेषण मानव जीवन के संदर्भ में किया गया, और दर्शकों को यह समझने का मौका दिया गया कि धर्म और राजनीति, दोनों मानव अस्तित्व का अभिन्न अंग हैं। इस विचारोत्तेजक चर्चा ने श्रोताओं के बीच गहन चिंतन को प्रेरित किया और सभी के लिए यह चर्चा एक सार्थक अनुभव साबित हुई।

इसके बाद, अगले सत्र में शीर्षक, **भारतीय भाषाओं में तकनीकी नवाचार: वर्तमान परिदृश्य** पर भारतीय भाषाओं, विशेष रूप से हिंदी में तकनीकी प्रगति की वर्तमान और भविष्य की संभावनाओं का गहन विश्लेषण किया गया। आईआईटी कानपुर के **प्रो. निशित श्रीवास्तव** और **प्रो. अर्नब भट्टाचार्य** ने अपने विचार साझा किए। उन्होंने भारतीय भाषाओं में तकनीक के बढ़ते दायरे, विशेषकर इंटरनेट और सोशल मीडिया के उदय के कारण हिंदी और अन्य क्षेत्रीय भाषाओं के बढ़ते महत्व पर चर्चा की। **प्रो. अर्क वर्मा** द्वारा संचालित, यह सत्र जानकारीपूर्ण और सहायक था, जिसमें भारतीय भाषाओं में नवीनतम रुझानों और तकनीकी नवाचारों पर विस्तृत चर्चाओं को उजागर किया गया और इस क्षेत्र में चल रहे शोध पर प्रकाश डाला। दर्शकों ने इस चर्चा को खूब सराहा।

Day Three - Akshar 2024: 19 October 2024

Discussion, 'Technological Innovations in Indian Languages: Current Scenario' by Prof. Nishith Srivastava and Prof. Arnab Bhattachya (19/10/2024)

After a series of captivating performances, highlighting India's rich literature and culture, the third and final day of Akshar event began with great enthusiasm. The day started with an engaging discussion on the topic **Krishna Vachya: Lessons from the Divine in Human** from **Dr. Alok Bajpayee**, a renowned psychiatrist and author from Kanpur, was invited as the keynote speaker. The session was skillfully moderated by **Ms. Bhavna Mishra**. The focus of the discussion was on the human aspect of Lord Krishna, aiming to understand his life and role during the Mahabharata period from a human perspective. The teachings of the Bhagavad Gita were analysed in the context of human life, and the audience was given the chance to understand that both religion and politics are integral to human existence. This thought-provoking discussion inspired deep reflection among the listeners and proved to be a meaningful experience for all.

Following this, the next session, ***Technological Innovations in Indian Languages: Current Scenario***, explored into the present and future possibilities of technological advancements in Indian languages, with a special focus on Hindi. Esteemed scholars **Prof. Nishith Srivastava** and **Prof. Arnab Bhattacharya** from IIT Kanpur shared their insights. They discussed the growing scope of technology in Indian languages, particularly how Hindi and other regional languages are gaining prominence due to the rise of the internet and social media. Moderated by **Prof. Ark Verma**, the session was informative and helpful, highlighting the latest trends and sparking detailed discussions on technological innovations in Indian languages and ongoing research in the field. The discussion was well received by the audience.

तृतीय दिवस- अक्षर 2024: 19 अक्टूबर 2024

Day Three - Akshar 2024: 19 October 2024

Mr. Wasim Barelvi presenting at the 'Mahakavi-sammelan' (19/10/2024)

Prof. Ark Verma felicitating Mr. Ekagra Sharma at the Kavisammelan (19/10/2024)

Cheering Audience at the Mahakavi-Sammelan (19/10/2024)

Organizers and Participants of the 'Maha Kavi Sammelan and Mushaira' (19/10/2024)

अक्षर 2024 का भव्य समापन ***महाकवि सम्मेलन और मुशायरे*** के साथ हुआ, जिसने इस आयोजन को अविस्मरणीय बना दिया। देश के प्रसिद्ध कवियों और शायरों ने इस सत्र में अपनी प्रस्तुति दी, जिसमें मशहूर शायर **वसीम बरेलवी** भी शामिल थे। इस सत्र में श्रोतागण मंत्रमुग्ध हो गए। अन्य प्रतिष्ठित कवियों में **श्री राजेश रेड्डी, श्री वसीम नादिर, श्री अबरार काशिफ, श्री स्वयं श्रीवास्तव, सुश्री मनु वैशाली, श्री एकाग्र शर्मा** और **श्री सिद्धार्थ सिंह** ने अपनी रचनाएँ प्रस्तुत कीं। उनकी भावपूर्ण कविताओं और ग़ज़लों ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

समारोह के समापन पर, **प्रो. अर्क वर्मा** ने उपस्थित सभी मेहमानों और दर्शकों को धन्यवाद दिया और कहा कि अक्षर साहित्यिक उत्सव हर साल इसी ऊर्जा और उत्साह के साथ बढ़ता रहेगा। उन्होंने अक्षर 2024 को एक उल्लेखनीय कार्यक्रम बनाने वाले अतिथियों और कलाकारों के प्रति भी अपना आभार व्यक्त किया।

आईआईटी कानपुर में आयोजित तीन दिवसीय 'अक्षर' साहित्य महोत्सव सभी के समर्पित प्रयासों के परिणामस्वरूप एक सफल आयोजन सिद्ध हुआ। इस आयोजन को सफल बनाने में शिवानी केंद्र, आईआईटी कानपुर से **सुश्री मैत्रेयी अग्रवाल, श्री सुधांशु** और **श्री गोविंद**, तथा राजभाषा प्रकोष्ठ से **श्री विजय कुमार पांडे, श्री जगदीश प्रसाद, श्री अरविंद सैनी, श्री दुर्गेश कुमार मिश्रा, श्री नितेश कुमार, श्री लालचंद** और **श्री रामपूजन** की अहम भूमिका रही। इन सभी सदस्यों ने मिलकर इस महोत्सव को यादगार बना दिया।

The grand finale of Akshar 2024 took place with a poetic gathering, ***Maha Kavi-Sammelan aur Mushaira***, making the event truly unforgettable. The country's renowned poets and shayars, including the famous poet **Mr. Wasim Barelvi** graced the session, leaving the audience spellbound. Other esteemed poets, such as, **Mr. Rajesh Reddy, Mr. Wasim Nadir, Mr. Abrar Kashif, Mr. Swyam Shriwastava, Ms. Manu Vaishali, Mr. Ekagra Sharma,** and **Mr. Siddharth Singh**, skillfully presented their works. Their heartfelt poems and ghazals captivated the audience, leaving everyone in awe.

In the closing of the event, **Prof. Ark Verma** thanked the audience and everyone in attendance, expressing that the Akshar Literary Festival would continue to grow with the same energy and enthusiasm every year. He also extended his gratitude to the guests and artists who made Akshar 2024 a remarkable event celebrating Indian literature and culture.

The three-day 'Akshar' Literature Festival at IIT Kanpur was a remarkable success due to the efforts of everyone involved. Additionally, the organizing team, which included **Ms. Maitreyi Agarwal, Mr. Sudhanshu,** and **Mr. Govind** from Shivani Centre, IIT Kanpur, **as well as Mr. Vijay Kumar Pandey, Mr. Jagdish Prasad, Mr. Durgesh Kumar Mishra, Mr. Arvind Kumar,** and **Mr. Lalchand** from Rajbhasha Prakoshtha, worked tirelessly to ensure the success of this event.

दास्तान-ए-मेहेक, कहानी वाचन और साहित्यिक कला का प्रदर्शन: 1 अगस्त, 2024

Dastan-e-Mehek, a Showcase of Storytelling and Literary Art: 1 August 2024

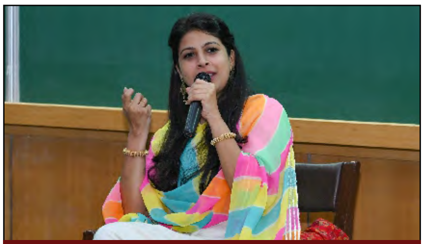

Ms. Mehek Mirza Prabhu performing at the event, 'Dastan-e- Mehek' (1/8/2024)

Story telling session, by Ms. Mehek Mirza Prabhu (1/8/2024)

Students participating in the event, 'Dastan-e-Mehek' (1/8/2024)

आईआईटी कानपुर में शिवानी केंद्र, हिंदी साहित्य सभा और राजभाषा प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में दस्तान-ए-मेहेक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवा पीढ़ी के बीच हिंदी साहित्य को लोकप्रिय बनाना और कहानी वाचन में रुचि जगाना था।

इस आयोजन की मुख्य आकर्षण प्रसिद्ध कहानीकार और बहुमुखी लेखिका, **सुश्री मेहेक मिर्ज़ा प्रभु** की उपस्थिति थी, जिन्हें मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था। सुश्री मिर्ज़ा ने कल्पना, भावना और सामाजिक टिप्पणी को मिलाने की अपनी क्षमता के साथ अपनी पहचान बनाई है। वह मुंबई की रहने वाली हैं तथा कई भाषाओं में लिखती हैं। वे अपनी आवाज के साथ अपनी कहानियों को जीवंत करती हैं, जो श्रोताओं को मोहित करती है और एक गहरा भावनात्मक संबंध बनाती है।

सुश्री मेहेक मिर्ज़ा न केवल एक लेखिका हैं, बल्कि एक ब्लॉगर, पटकथा लेखक और झुमरी तलैया की संस्थापक भी हैं, जो एक ऑनलाइन कहानी वाचन स्कूल है जहाँ वे कहानी कहने की कला सिखाती हैं। पारंपरिक तकनीकों को आधुनिक रुझानों के साथ जोड़कर, वह लोगों को अपनी आवाज़ को अपनाने और रचनात्मक तरीकों से कहानियाँ साझा करने के लिए प्रोत्साहित करती हैं। उनकी कहानियाँ न केवल मनोरंजक हैं बल्कि विचारोत्तेजक भी हैं, जो रिश्तों, भावनाओं और मानव स्वभाव की पड़ताल करती हैं। वे दर्शकों को जोड़ती हैं, उन्हें हँसाती हैं, सोचने पर मजबूर करती हैं, और कभी-कभी रुलाती भी हैं।

इस अवसर पर, सुश्री मिर्ज़ा ने अपनी कहानी सुनाने की अद्भुत कला से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनकी अनूठी शैली, जो भावपूर्ण शब्दों और जीवंत पात्रों से भरपूर थी, ने सभी पर एक गहरा प्रभाव छोड़ा। अपनी कहानियों के लिए शीर्षक देने के बजाय, उन्होंने श्रोताओं को पात्रों के अर्थ निकालने के लिए प्रेरित किया। दर्शकों ने इन कहानियों के लिए कुछ बेहद रचनात्मक शीर्षक सुझाए जैसे झुमका, पार्ले-जी और केरी का अचार, जो कहानियों के मुख्य विचारों को बखूबी बयान करते हैं। छात्रों ने इन कहानियों पर गहन चर्चा की और उनमें छिपे अर्थों और पाठों को खोजने का प्रयास किया।

इस सत्र में कथा-कथन की शक्ति और व्यक्तियों तथा समाजों पर इसके गहरे प्रभाव को रेखांकित किया गया। इसने युवा लेखकों और अनुभवी साहित्यकारों के मध्य एक सेतु का निर्माण किया, तथा छात्रों को समकालीन साहित्य के अग्रणी लेखकों से जुड़ने का एक अनूठा अवसर प्रदान किया।

IIT Kanpur recently hosted the program, Dastan-e-Mehek, organised by Shivani Centre, Hindi Sahitya Sabha, and Rajbhasha Prakosht. The event aimed to popularise Hindi literature among the younger generation and spark an interest in storytelling.

The highlight of the event was the presence of renowned storyteller and versatile writer, **Ms. Mehek Mirza Prabhu**, who was invited as the chief guest. Ms. Mirza has made a mark with her ability to blend fiction, emotion, and social commentary. Hailing from Mumbai, she writes in several languages and brings her stories to life with a voice that captivates listeners, creating a deep emotional connection.

Ms. Mehek Mirza is not only a writer but also a blogger, scriptwriter, and the founder of Jhumritalaiya, an online storytelling school where she teaches the art of storytelling. Combining traditional techniques with modern trends, she encourages people to embrace their own voice and share stories in creative ways. Her stories are not just entertaining but thought-provoking, exploring relationships, emotions, and human nature. They engage the audience, making them laugh, think, and sometimes even cry.

On the occasion, Ms. Mirza captivated the audience with her storytelling. Her unique style marked by an expressive tone and vivid character portrayal, left a lasting impression. Rather than giving titles for her stories, she let the characters guide the audience to create their own interpretations. Some of the titles that emerged were Jhumka, Parle-G, and Keri Ka Achar, each reflecting the essence of the stories. Students actively participated in discussions, exploring the themes and lessons conveyed.

The session, celebrated the power of storytelling and its ability to impact individuals and communities. It bridged the gap between young minds and experienced authors, providing students with a unique opportunity to engage with one of the most exciting voices in contemporary literature.

गाथा महोत्सव, भारतीय साहित्य, संस्कृति और कला का उत्सव: 21 जुलाई 2024

Gatha Mahotsav : A Celebration of Indian Literature, Culture, and Art: 21 July 2024

*Prof. Braj Bhushan inaugurating the event, '**Gatha Mahotsav**' (21/7/2024)*

*Release of book, **Ek Syah Firdaus** by Mr. Sanjay Shepherd (21/7/2024)*

21 जुलाई, 2024 को आईआईटी कानपुर में आयोजित गाथा महोत्सव ने अपनी पांचवीं वर्षगांठ के अवसर पर एक भव्य समारोह का आयोजन किया। शिवानी केंद्र, हिंदी सेल और गाथा, एक लोकप्रिय ऑडियो होस्टिंग प्लेटफॉर्म के संयुक्त प्रयास से आयोजित इस कार्यक्रम में साहित्य, कला और मनोरंजन के क्षेत्र की कई हस्तियों ने प्रतिभाग किया।

आईआईटी कानपुर के उप निदेशक, **प्रो. ब्रज भूषण** ने कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए क्षेत्रीय भाषाओं और भारतीय संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन के महत्व पर बल दिया। इस उत्सव में लोकप्रिय ट्रैवल ब्लॉगर एवं लेखक, **श्री संजय शेफर्ड** की पुस्तक '***एक स्याह फिरदौस***' का विमोचन भी किया गया।

Gatha Mahotsav at IIT Kanpur, held on 21 July 2024, marked its fifth anniversary with a grand celebration. The event was organized in collaboration with the Shivani Centre, Hindi Cell, and Gatha, a popular audio hosting platform. It brought together well-known personalities from the worlds of literature, art, and entertainment.

Prof. Braj Bhushan, Deputy Director of IIT Kanpur, inaugurated the event and emphasized the importance of promoting regional languages and Indian culture. The festival also saw the release of book, ***Ek Syah Firdaus*** by **Mr. Sanjay Shepherd**, a popular travel blogger and writer.

*'**Ganesh Vandana**' by special children from Jyoti Mook Badhir Vidyalaya (21/7/2024)*

*Special children from **Jyoti Mook Badhir Vidyalaya**, Kanpur (21/7/2024)*

कार्यक्रम का शुभारंभ ***गणेश वंदना*** के साथ हुआ। इसके बाद, **ज्योति मूक बधिर विद्यालय**, कानपुर के विशेष बच्चों ने एक मनमोहक नृत्य नाटिका प्रस्तुत की। विद्यालय के गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों को दिव्यांग छात्रों की शिक्षा में उनके अतुलनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

The event began with ***Ganesh Vandana*** and a dance drama performance by special children from **Jyoti Mook Badhir Vidyalaya**, Kanpur. The Governing Board of the school was honored for its outstanding contributions to the education of differently-abled students.

Events / आयोजन

Discussion on '***The stream of Incomplete Splendor and Beauty***' (21/7/2024)

Literary discussion,
'***Navgeet - Yatharth ka Yatri***' (21/7/2024)

इसके बाद, शीर्षक - ***अपूर्ण वैभव और सौंदर्य की धारा – उत्तर प्रदेश*** पर एक महत्वपूर्ण चर्चा हुई, जिसमें दिल्ली विश्वविद्यालय के **श्री संजय शेफर्ड** और **प्रो. एम.के. पांडे** ने भाग लिया। उन्होंने उत्तर प्रदेश की पर्यटन क्षमता का अन्वेषण किया और बुनियादी ढांचे के विकास, जन- जागरूकता और राज्य की समृद्ध, सांस्कृतिक, विरासत को दुनिया के सामने प्रदर्शित करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

Subsequently, a significant **discussion** titled ***The Stream of Incomplete Splendor and Beauty – Uttar Pradesh*** featured **Mr. Sanjay Shepherd** and **Prof. M.K. Pandey** from Delhi University. They explored Uttar Pradesh's tourism potential and stressed the need for infrastructure development, public awareness, and the showcasing of the state's rich cultural heritage to the world.

अगली साहित्यिक चर्चा, शीर्षक **नवगीत- यथार्थ का यात्री** से आयोजित की गई, जिसमें **श्री वीरेंद्र आस्तिक, श्री सनेही लाल शर्मा, श्री राजा अवस्थी** और **श्री राकेश शुक्ला** ने भाग लिया। इस चर्चा में पारंपरिक नवगीतों से लेकर समकालीन गीत रचनाओं तक, गीत रचना के विकास पर विस्तृत चर्चा हुई। वक्ताओं ने संस्कृति के संरक्षण में पारंपरिक और आधुनिक दोनों प्रकार की गीत रचनाओं के महत्व को रेखांकित किया।

The next **literary discussion**, **Navgeet - Yatharth ka Yatri, featured speakers Mr. Virendra Aastik, Mr. Sanehi Lal Sharma, Mr. Raja Awasthi**, and **Mr. Rakesh Shukla**, who discussed the evolution of song composition, from traditional Navgeet to contemporary forms. They emphasized the importance of both traditional and modern song compositions in preserving culture.

Session, '***Guftagu – A Dialogue with Young Writers***' (21/7/2024)

Open Mic session,'***Navsrijan***' (21/7/2024)

सत्र ***गुफ़्तगू- युवा लेखकों के साथ एक संवाद*** में **सुश्री आकांक्षा पारे**, **श्री भगवंत अनमोल** और **श्री आनंद कक्कड़** के साथ युवा पीढ़ी और साहित्य के बीच संबंधों पर गहन चर्चा हुई। विशेषकर, उन्होंने साहित्यिक जगत में प्रौद्योगिकी के उदय से उत्पन्न चुनौतियों और युवा लेखकों में रचनात्मकता एवं सामाजिक चेतना को बढ़ावा देने के लिए प्रौद्योगिकी के उपयोग पर विचार विमर्श किया।

The session ***Guftagu – A Dialogue with Young Writers*** explored the relationship between the younger generation and literature. **Ms. Akanksha Pare**, **Mr. Bhagwant Anmol**, and **Mr. Anand Kakkar** discussed the challenges posed by technology in the literary world and how it can be harnessed to encourage creativity and social awareness in young writers.

इसके बाद ***नवसृजन*** नामक एक ***ओपन माइक*** सत्र आयोजित किया गया, जिसने उभरते कलाकारों को अपनी रचनात्मकता प्रदर्शित करने का मंच प्रदान किया। **श्री अंशुल अवस्थी, सुश्री प्रियम दीक्षित, श्री अमित पांडेय, श्री इम्तियाज अहमद, श्री शुभम तिवारी, श्री अक्षय मिश्रा** और **श्री आशुतोष ओझा** की प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मोहित कर दिया। दर्शकों द्वारा उनके गीतों, ग़ज़लों और कविताओं की खूब सराहना हुई।

This was followed by an ***Open Mic*** session titled ***Navsrijan***, which provided a platform for aspiring artists to showcase their creativity. Performances by **Mr. Anshul Awasthi, Ms. Priyam Dixit, Mr. Amit Pandey, Mr. Imtiaz Ahmed, Mr. Shubham Tiwari, Mr. Akshay Mishra,** and **Mr. Ashutosh Ojha** captivated the audience. Their songs, ghazals, and poetry were greatly appreciated.

Session, 'Journey into Stories Live and Unfiltered' by ***Mr. Rajendra Gupta*** *(21/7/2024)*

*Session,'**Famous Songs and Stories of Madan Mohan**' (21/7/2024)*

तत्पश्चात, ***जर्नी इनटू स्टोरीज़ लाइव एंड अनफ़िल्टर्ड*** कार्यक्रम में प्रसिद्ध अभिनेता **श्री राजेंद्र गुप्ता** के साथ एक अंतरंग बातचीत हुई, जिसमें उन्होंने थिएटर से टेलीविजन तक अपने अनुभव साझा किए, जिसमें लोकप्रिय चरित्र पंडित जगन्नाथ की भूमिका और नाटक "बहादुर को नींद नहीं आती" में उनके काम शामिल हैं। श्री धीरेन्द्र अस्थाना की कहानी और श्री भूपनाथ पांडे की कविता का उनका वाचन दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर गया।

मदन मोहन के प्रसिद्ध गीत और कहानियाँ शीर्षक वाले सत्र में दिग्गज संगीतकार **श्री मदन मोहन** को एक संगीतमय श्रद्धांजलि अर्पित की गई, जिसमें उनकी कालातीत धुनों की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम का संचालन लेखिका और लोकप्रिय रेडियो जॉकी **सुश्री अर्चना चौहान** ने किया। 1953 की फ़िल्म बागी से लेकर वीर-ज़ारा (2004) तक मदन मोहन के संगीत कैटलॉग के गीतों की प्रस्तुति ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

The program ***Journey into Stories Live and Unfiltered*** featured an intimate conversation with **Mr. Rajendra Gupta**, the renowned actor, who shared his experiences from theater to television, including his role as the popular character Pandit Jagannath and his work in the play *"Bahadur Ko Neend Nahi Aati"*. His reading of *Shri Dhirendra Asthana's story and Shri Bhupanath Pandey's* poem left the audience spellbound.

The session titled ***Famous Songs and Stories of Madan Mohan*** served as a musical tribute to the legendary composer, **Shri Madan Mohan**, featuring performances of his timeless melodies. The event was moderated by **Ms. Archana Chauhan**, a writer and popular radio jockey. The presentation of songs from Madan Mohan's music catalog, spanning from the 1953 movie *Baaghi* to *Veer-Zaara* (2004), enchanted the audience.

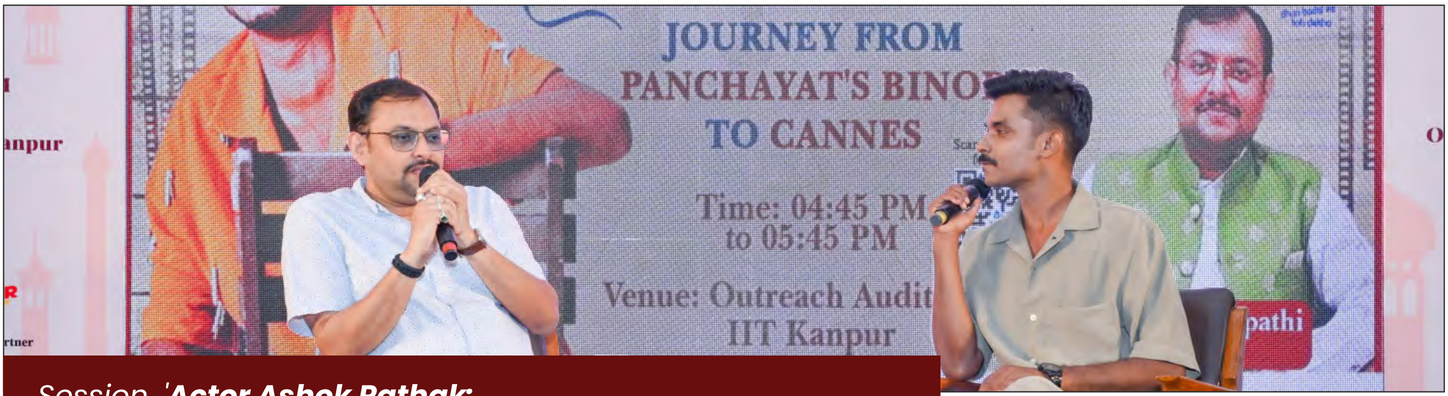

Session, '***Actor Ashok Pathak: Journey from Panchayat to Cannes***' (21/7/2024)

अभिनेता अशोक पाठक: पंचायत से कान्स तक का सफर एक विशेष सत्र था जिसमें **श्री अशोक पाठक** ने अपने थिएटर और फिल्म जगत के अनुभव साझा किए, विशेष रूप से पंचायत में उनकी भूमिका से लेकर कान्स फिल्म समारोह में उनकी मान्यता तक। उनकी सरल कहानी कहने की शैली ने दर्शकों पर गहरा प्रभाव छोड़ा और उन्हें खूब सराहना मिली।

The program ***Actor Ashok Pathak: Journey from Panchayat to Cannes*** was a special session where **Shri Ashok Pathak** shared his experiences in the theater and film industries, notably from his role in Panchayat to his recognition at the Cannes Film Festival. His simple storytelling resonated deeply with the audience and was well received.

Mr. Alok Bejan presenting at the '***Kavi-sammelan***' (21/7/2024)

Performers of the '***Kavi-sammelan***' (21/7/2024)

गाथा महोत्सव का समापन ***कवि सम्मेलन*** के साथ हुआ, जिसमें **श्री विष्णु सक्सेना, श्री राहुल शर्मा, श्री योगेश शुक्ला, श्री हेमंत पांडे** और **श्री अलोक बेजान** जैसे कवियों ने दर्शकों को अपनी विचारोत्तेजक कविताओं और ग़ज़लों से मंत्रमुग्ध कर दिया।

गाथा महोत्सव का आयोजन शानदारपूर्वक सफल रहा, जिसने साहित्यिक चर्चा, कलात्मक अभिव्यक्ति और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के लिए एक अद्भुत मंच प्रदान किया। शिवानी केंद्र ने और ***गाथा*** के सह-संस्थापक एवं निदेशक श्री अमित तिवारी ने इस महोत्सव में भाग लेने वाले सभी कलाकारों, साहित्यकारों और दर्शकों का हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने इस आयोजन को भारतीय साहित्य, विरासत और परंपरा के उत्सव के रूप में चिह्नित करते हुए कहा कि यह शिवानी केंद्र और गाथा के बीच सहयोग की एक बड़ी उपलब्धि है। इस महोत्सव ने आईआईटी कानपुर समुदाय को समृद्ध सांस्कृतिक अनुभव प्रदान किए हैं।

The festival **concluded with a *Kavi Sammelan*, where poets such as Mr. Vishnu Saxena, Mr. Rahul Sharma, Mr. Yogesh Shukla, Mr. Hemant Pandey,** and **Mr. Alok Bejan** captivated the audience with their thought-provoking poetry and ghazals.

Gatha Mahotsav was a great success, offering a platform for literary discourse, artistic expression, and cultural exchange. Mr. Amit Tiwari, Co-Founder and Director of ***Gatha,*** delivered a vote of thanks to the participants and audience, marking the success of the collaboration between Shivani Centre and Gatha in celebrating and preserving Indian literature, heritage, and tradition, and bringing these cultural experiences to the IIT Kanpur community.

अल्फ़ाज़-रचनात्मक काव्य लेखन पर कार्यशाला: 25 अक्टूबर 2024

Alfaz: A Workshop on Creative Poetic Writing: 25 October 2024

Mr. Vishwanath 'Vishwa', Speaker of the workshop, 'Alfaz' (25/10/2024)

Students and staff members of IIT Campus participating in the workshop 'Alfaaz' (25/10/2024)

Prof. Kantesh Balani and Prof. Ark Verma felicitating Mr. Vishwanath 'Vishwa' (25/10/2024)

शिवानी केंद्र, हिंदी साहित्य सभा एवं मीडिया एंड कल्चरल काउंसिल के संयुक्त तत्वावधान में आईआईटी कानपुर के व्याख्यानशाला, एल-14 में दिनांक 25 अक्टूबर 2024 को हिंदी साहित्य में रचनात्मक लेखन पर अल्फ़ाज़ नामक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में आईआईटी कानपुर के छात्रों ने बड़ी संख्या में भाग लिया और कविता तथा रचनात्मक अभिव्यक्ति के क्षेत्र में गहन रुचि दिखाई।

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों को कविता की विविध शैलियों से परिचित कराना था। इसके साथ ही, छात्रों के लेखन कौशल को निखारने और उन्हें अपनी भावनाओं को शब्दों में व्यक्त करने के लिए प्रेरित करना भी इसका एक प्रमुख लक्ष्य था। इस कार्यक्रम ने छात्रों को अपनी रचनात्मक प्रतिभा को प्रकट करने एवं कविता के सौंदर्य को अनुभव करने का एक अद्वितीय अवसर प्रदान किया।

इस सत्र में प्रसिद्ध कवि और साहित्यकार **श्री विश्वनाथ विश्व** को मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया । उन्होंने कविता की कला में बहुमूल्य अंतर्दृष्टि साझा की। उन्होंने विस्तार से बताया कि कैसे छात्र अपनी भावनाओं और अनुभवों को सुंदर कविताओं में बदल सकते हैं और मुक्त छंद, गजल और दोहे सहित कविताओं के विभिन्न रूपों पर चर्चा की। यह सत्र सिद्धांत और व्यवहार का एक सुंदर सम्मिश्रण था, जिसने छात्रों को विभिन्न शैलियों में कविता लिखने की बारीकियां सीखने का अवसर प्रदान किया।

श्री विश्व ने छात्रों को लेखन के दौरान अपनी कल्पना और रचनात्मकता को बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया, उन्होंने छात्रों को विभिन्न विषयों पर गहराई से सोचने और अपने अनूठे नज़रिए को शब्दों में पिरोने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने नियमित रूप से लिखने और अपने काम को दूसरों के साथ साझा करने के महत्व पर जोर दिया, जो उन्हें अपनी कला को परिष्कृत करने और कवियों के रूप में विकसित होने में मदद करेगा।

A workshop on creative writing in Hindi literature, titled *Alfaz*, was organized at Lecture Hall-14, IIT Kanpur, by ***Shivani Centre***, *Hindi Sahitya Sabha*, and *Media and Cultural Council on 25th October 2024*. The workshop saw enthusiastic participation from a large number of IIT students, all eager to explore the world of poetry and creative expression.

The event aimed to introduce students to various styles of poetry, enhance their writing skills, and inspire them to use poetry as a medium to express their thoughts and emotions. It provided a platform for students to experiment with their creativity and imagination, helping them discover the power of words and poetry.

Mr. Vishwanath 'Vishwa', a renowned poet and literary figure, was invited as the main speaker. In the session, he shared valuable insights into the art of poetry. He elaborated on how students could transform their emotions and experiences into beautiful poems and discussed different forms of poetry, including *free verse, ghazals*, and *couplets*. His session was a blend of theory and practice, offering students an opportunity to learn the nuances of writing poetry in various styles.

Mr. Vishwanath encouraged the students to cultivate their imagination and creativity while writing, urging them to explore a wide range of topics and express their unique perspectives. He emphasized the importance of writing regularly and sharing their work with others, which would help them refine their craft and grow as poets.

कार्यशाला के अंत में एक अन्त:क्रियात्मक प्रश्न-उत्तर सत्र आयोजित किया गया जिसमें छात्रों ने वक्ता के साथ कविता लेखन पर गहन चर्चा की।

अल्फ़ाज़ कार्यशाला सभी प्रतिभागियों के लिए एक अविस्मरणीय और ज्ञानवर्धक अनुभव साबित हुई। इस कार्यक्रम ने प्रतिभागियों को कविता की दुनिया में गहराई से उतरने और अपने आत्मविश्वास को बढ़ाने का एक सुनहरा अवसर प्रदान किया।

The workshop concluded with an interactive question-and-answer session, where students actively engaged with the speaker, asking questions and seeking advice on poetry writing.

The *Alfaz* workshop proved to be a memorable and enriching experience for all the participants, especially with the active involvement of IIT students. The event successfully inspired participants to explore the world of poetry with enthusiasm and confidence.

हिन्दी पखवाड़ा- हिंदी दिवस के अवसर पर दो सप्ताह का उत्सव:17 सितम्बर-30 सितम्बर, 2024

Hindi Pakhwada- A Two-Week Celebration of Hindi Diwas: 17-30 September, 2024

Hindi Dictation competition, 'Hindi Pakhwada' (17/9/2024)

Essay writing competition held during 'Hindi Pakhwada' (18/9/2024)

A Declamation competition on Unforgettable moments of life, during 'Hindi Pakhwada' (24/9/2024)

14 सितंबर, 2024 को हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में, शिवानी केंद्र ने राजभाषा प्रकोष्ठ और हिंदी साहित्य सभा के सहयोग से आईआईटी कानपुर में हिंदी पखवाड़ा का आयोजन किया। इस दो सप्ताह के उत्सव में स्नातक तथा स्नातकोत्तर छात्रों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। विभिन्न प्रतियोगिताओं के माध्यम से संस्थान में हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार का प्रयास किया गया।

17 सितम्बर, 2024 को आयोजित ***हिंदी श्रुतलेख प्रतियोगिता*** के साथ कार्यक्रमों की शुरुआत हुई। यह प्रतियोगिता मुख्य रूप से गैर-हिंदी भाषी प्रतिभागियों के लिए थी। प्रतियोगिता का उद्देश्य हिंदी में वर्तनी और लेखन की उनकी प्रवीणता का आकलन करना था, जो गैर-मूल हिंदी भाषी प्रतिभागियों के लिए एक अनूठी चुनौती थी। अगले दिनों में और भी कार्यक्रम आयोजित किए गए: ***18 और 19 सितंबर को निबंध लेखन प्रतियोगिता और कहानी लेखन प्रतियोगिता*** आयोजित की गई। ***कहानी लेखन प्रतियोगिता*** में प्रतिभागियों को एक चित्र दिया गया और उन्हें दिखाई गई छवि के आधार पर कहानी लिखने के लिए कुछ मिनट दिए गए। इस आयोजन ने उनकी तीव्र सोच, रचनात्मकता और वाक्पटुता का परीक्षण किया।

To commemorate Hindi Diwas on September 14, 2024, Shivani Centre collaborated with *Rajbhasha Prakoshth* and *Hindi Sahitya Sabha* to organize *Hindi Pakhwada* at IIT Kanpur. This two-week-long celebration witnessed the active participation of both graduate and undergraduate students, who engaged enthusiastically in various competitions aimed at promoting Hindi literacy within the institution.

The events began on **September 17, 2024**, with a ***Hindi Dictation Competition***, which was primarily targeted at non-Hindi speakers. The competition aimed to assess their proficiency in spelling and writing in Hindi, offering a unique challenge to participants who were not native Hindi speakers. The following days continued with more events: on **September 18th** and **September 19th**, an ***Essay Writing Competition and a Story Writing Competition*** were held. In the Story Writing Competition, participants were provided with a picture and given a few minutes to analyze and write a story based on the image shown. This event tested their quick thinking, creativity, and eloquence.

प्रतियोगिताएँ एवं कार्यशालाएँ/Competitions and Workshops

20 से 22 सितंबर तक, आई आई टी कानपुर के परिसर में अन्य शैक्षणिक संस्थानों के छात्रों के लिए हिंदी भाषा की विभिन्न प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। इनमें ***आशुभाषण प्रतियोगिता*** भी शामिल थी। इन प्रतियोगिताओं का उद्देश्य छात्रों को हिंदी भाषा में बोलने और लिखने के अपने कौशल को निखारने का अवसर प्रदान करना था।

23 सितंबर को हिंदी भाषा और साहित्य पर आधारित एक **सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता** आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को हिंदी व्याकरण, साहित्य और इतिहास में अपने ज्ञान का प्रदर्शन करने का अवसर मिला। अंतिम कार्यक्रम के रूप में, **24 सितंबर** को, **जीवन के अविस्मरणीय क्षण** विषय पर एक भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने अपने जीवन के यादगार पलों को साझा किया और अपनी वाक्पटुता और हिंदी में भावनाओं को व्यक्त करने की क्षमता का प्रदर्शन किया।

हिंदी पखवाड़े का समापन **30 सितंबर** को एक भव्य पुरस्कार समारोह के साथ हुआ, जिसमें विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया गया। समारोह में प्रशासन के डीन **प्रो. वैभव श्रीवास्तव**, शिवानी केंद्र के समन्वयक **प्रो. कांतेश बालानी**, शिवानी केंद्र के सह-समन्वयक **प्रो. अर्क वर्मा** और संस्थान के कुलसचिव **श्री विश्व रंजन** उपस्थित थे। सम्मानित अतिथियों ने विजेताओं को बधाई दी और संस्थान के भीतर हिंदी भाषा के विकास को बढ़ावा देने में शिवानी केंद्र, राजभाषा प्रकोष्ठ और हिंदी साहित्य सभा के सदस्यों के सहयोगात्मक प्रयासों की सराहना की।

हिंदी पखवाड़ा 2024 न केवल एक सुखद उत्सव था, बल्कि इसमें शामिल सभी लोगों के लिए एक शैक्षिक अनुभव भी था। इस आयोजन का प्राथमिक उद्देश्य छात्रों को हिंदी भाषा के साथ जुड़ने के लिए प्रोत्साहित करना था, जिससे उनके पढ़ने और लिखने के कौशल दोनों को बढ़ावा मिला।

From **September 20th to 22nd**, the ***Ashubhashan (Speech Delivery) Competition*** took place, along with other Hindi language-based competitions for students from other educational institutions across the city. These competitions encouraged participants to hone their public speaking skills and demonstrate their understanding of the language in various formats.

On **September 23rd**, a ***General Knowledge Competition*** focused on Hindi language and literature was conducted, allowing participants to showcase their knowledge of Hindi grammar, literature, and history. The final event, on **September 24th**, the ***Unforgettable Moments of Life Speech Competition***, allowed participants to recount memorable life experiences, further testing their oratory skills and emotional expression in Hindi.

The culmination of Hindi Pakhwada took place on **September 30th**, with a grand award ceremony where the winners of the various competitions were felicitated. The ceremony was attended by **Prof. Vaibhav Srivastava**, Dean of Administration, **Prof. Kantesh Balani**, Coordinator of Shivani Centre, **Prof. Ark Verma**, Co-coordinator of Shivani Centre, and the Institute Registrar, **Mr. Vishwa Ranjan**. The esteemed guests congratulated the winners and appreciated the collaborative efforts of Shivani Centre, Rajbhasha Prakoshth, and the Hindi Sahitya Sabha team in promoting the growth of the Hindi language within the institution.

Hindi Pakhwada 2024 was not only an enjoyable celebration but also an educational experience for all those involved. The primary objective of the event was to encourage students to engage with the Hindi language, promoting both their reading and writing skills.

Speech Delivery Session held during 'Hindi Pakhwada' (23/9/2024)

School children participating in Competitions, 'Hindi Pakhwada' (20/9/2024)

General Knowledge Competition, 'Hindi Pakhwada' (22/9/2024)

प्रतियोगिताएँ एवं कार्यशालाएँ/Competitions and Workshops

दास्तान-ए-मेहेक, एक मनोरंजक कहानी कार्यशाला: 2 अगस्त, 2024

2 अगस्त, 2024 को आईआईटी कानपुर में आयोजित दास्तान-ए-मेहेक सत्र, एक अनुभवी और प्रतिभाशाली कहानीकार, **सुश्री मेहेक मिर्ज़ा प्रभु** के मार्गदर्शन में एक मनोरम कहानी कहने की कार्यशाला थी। प्रभावी कहानी कहने की कला पर विशेष ध्यान केंद्रित करते हुए, सुश्री मिर्ज़ा ने चरित्र निर्माण, भावनात्मक गहराई और कथन की सूक्ष्मताओं पर बल देते हुए, रोमांचक कथाएँ रचने की बारीकियों को समझाया।

कार्यशाला के दौरान, सुश्री मिर्ज़ा ने प्रतिभागियों को विभिन्न कथा-शैलियों से परिचित कराते हुए, उनकी रचनात्मकता को प्रोत्साहित किया। उन्होंने प्रतिभागियों से आग्रह किया कि वे अपनी कहानियों में अपनी विशिष्ट आवाज को प्रतिबिंबित करें। सुश्री मिर्ज़ा ने अपने व्यक्तिगत अनुभवों का उल्लेख करते हुए, कहानीवाचन को एक प्रभावशाली माध्यम के रूप में प्रस्तुत किया जो लोगों को जोड़ता है और सकारात्मक परिवर्तन को प्रेरित करता है।

दास्तान-ए-मेहेक सत्र ने छात्रों और वक्ता के बीच जीवंत और सार्थक संवाद का मंच प्रदान किया, जिससे बौद्धिक जुड़ाव और रचनात्मक खोज का वातावरण बना। चर्चाएँ न केवल मनोरंजक थीं बल्कि जानकारीपूर्ण भी थीं, और बड़ी संख्या में प्रतिभागियों द्वारा खूब पसंद की गईं। हर कोई इस सत्र से प्रेरित और उत्साहित हुआ।

Dastan-e-Mehek: A Workshop on the Art of Storytelling: 2 August, 2024

The *Dastan-e-Mehek* session held at IIT Kanpur on August 2, 2024, was a captivating storytelling workshop led by the accomplished and talented storyteller, **Ms. Mehek Mirza Prabhu**. With a focus on the art of effective storytelling, Ms. Mirza shared invaluable insights into the essentials of crafting compelling narratives, with particular emphasis on character development, emotional engagement, and the finer nuances of narration.

Throughout the workshop, she encouraged students to explore various storytelling styles, urging them to tap into their creativity and bring their unique voices to their stories. Ms. Mirza also emphasized the power of storytelling as a tool to connect with others and inspire meaningful change, drawing from her own experiences to motivate and empower the participants.

Dastan-e-Mehek session served as a platform for lively and meaningful dialogue between the students and the speaker, fostering an environment of intellectual engagement and creative exploration. The discussions, which were both enjoyable and informative, were well received by the large group of participants, leaving everyone feeling inspired and motivated.

Workshop on storytelling, 'Dastan-e-Mehek' (2/8/2024)

Participants of the workshop, 'Dastan-e-Mehek' (2/8/2024)

प्रतियोगिताएँ एवं कार्यशालाएँ/Competitions and Workshops

रचनात्मक लेखन प्रतियोगिता - मुंशी प्रेमचंद जी की याद में : 31 जुलाई, 2024

Competition on Creative writing- In memory of Munshi Premchand ji: 31 July, 2024

Session,'Competition on Creative Writing' in memory of Munshi Premchand ji (31/7/2024)

Participants of the 'Competition on Creative Writing' session (31/7/2024)

Award Ceremony session of the 'Competition on Creative Writing' (31/8/2024)

प्रसिद्ध हिंदी लेखक मुंशी प्रेमचंद की 144वीं जयंती के उपलक्ष्य में, आईआईटी कानपुर के शिवानी केंद्र ने एक रचनात्मक लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया। यह आयोजन शिवानी केंद्र और हिंदी साहित्य सभा, संस्थान के एक छात्र समूह के बीच एक सहयोगात्मक प्रयास था। इस प्रतियोगिता में लगभग 80 छात्रों ने सक्रिय रूप से भाग लेकर अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया और लेखन कौशल को निखारने का अवसर प्राप्त किया।

इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य छात्रों में रचनात्मकता को बढ़ावा देना, मुंशी प्रेमचंद के साहित्यिक योगदान के बारे में जागरूकता बढ़ाना और छात्रों को अपने विचारों को प्रभावी ढंग से व्यक्त करने का मंच प्रदान करना था। इस आयोजन के माध्यम से, प्रतिभागियों को अपनी कल्पना को जोड़ने और अपने विचारों को व्यक्त करने के लिए लेखन को एक शक्तिशाली माध्यम के रूप में उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

छात्रों के लिए चार रोचक विषयों का चयन किया गया था। पहले विषय एक दिन जब मैं प्रेमचंद से मिला के तहत छात्रों को महान लेखक के साथ एक काल्पनिक मुलाकात की कल्पना कर एक कहानी लिखने को कहा गया। दूसरे विषय प्रेमचंद की कहानी में मेरा पसंदीदा चरित्र के माध्यम से छात्रों को प्रेमचंद की रचनाओं के किसी ऐसे पात्र पर विचार करने का अवसर मिला जिसने उन पर एक गहरा प्रभाव डाला हो। तीसरे विषय अगर मैं प्रेमचंद होता के तहत छात्रों को प्रेमचंद की जगह खुद को रखकर लिखने के लिए प्रेरित किया गया। अंतिम विषय आज के संदर्भ में प्रेमचंद के लेखन में महिलाएँ के माध्यम से छात्रों को प्रेमचंद की रचनाओं में महिलाओं के चित्रण और उनकी समकालीन प्रासंगिकता का विश्लेषण करने का अवसर मिला।

To commemorate the 144th birth anniversary of the legendary Hindi writer, Munshi Premchand, Shivani Centre at IIT Kanpur organized a Creative Writing Competition. The event was a collaborative effort between Shivani Centre and Hindi Sahitya Sabha, a student group at the institute. The competition saw active participation from around 80 students, who embraced the opportunity to explore their creativity and showcase their writing skills.

The primary objective of the competition was to promote creativity among students, raise awareness about Munshi Premchand's literary contributions, and offer students a platform to express their ideas effectively. Through this event, participants were encouraged to engage their imagination and use writing as a powerful medium for conveying their thoughts.

Students were provided with four intriguing topics to choose from. The first theme, "A Day When I Met Premchand," encouraged students to craft a story based on an imaginary encounter with the great writer. "**My Favourite Character from Premchand's Works**" gave them a chance to reflect on a character from his stories that left a lasting impact on them. The theme "If I Were Premchand" invited participants to put themselves in Premchand's shoes and write from his perspective, while "Women in Premchand's Writing in Today's Context" prompted students to explore how women were portrayed in Premchand's works and their relevance in the contemporary world.

प्रतियोगिताएँ एवं कार्यशालाएँ/Competitions and Workshops

संग्राम-ए-अल्फ़ाज़- कविता पाठ प्रतियोगिता: 27 जून से 4 जुलाई 2024

Sangram-e-Alfaz: A Poetry Recitation Competition: June 27 to July 4, 2024

1st prize
Utkarsh Kesarwani
SDS
IIT Kanpur

2nd prize
Sanjay Khara
MSE
IIT Kanpur

3rd prize
Saubhagya Pandey
Earth Science
IIT Kanpur

Consolation prize
Pranjal Dixit
Mechanical Eng.
IIT Kanpur

Consolation prize
Shruti
Electrical Eng.
IIT Kanpur

Consolation prize
Abhishek L
Mathematics
IIT Kanpur

हिंदी साहित्य सभा ने शिवानी केन्द्र के सहयोग से आईआईटी कानपुर के छात्रों के लिए एक ऑनलाइन कविता पाठ प्रतियोगिता, संग्राम-ए-अल्फाज़ का आयोजन किया। यह प्रतियोगिता 27 जून से 4 जुलाई, 2024 तक आयोजित की गई और इसमें बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने भाग लिया।

छात्रों ने अपनी स्व-लिखित कविताओं का वीडियो प्रस्तुतीकरण कर लेखन और वाचन दोनों में असाधारण प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इन कविताओं में बहादुरी, मातृत्व, प्रेम, प्रकृति और दर्शन जैसे विविध विषयों को समाहित किया गया था। छात्र समुदाय ने इन प्रस्तुतियों की खूब सराहना की।

हिंदी साहित्य सभा के पूर्व संयोजकों के मार्गदर्शन में, सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुतियों को इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर साझा किया गया।

विजेताओं का चयन ऑनलाइन वोटिंग के माध्यम से किया गया, जिसमें सबसे अधिक वोट प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को विजेता घोषित किया गया। विजेताओं में पहले स्थान पर **श्री उत्कर्ष केसरवानी**, दूसरे स्थान पर **श्री संजय खरा** और तीसरे स्थान पर **श्री सौभाग्य पांडे** रहे। सांत्वना पुरस्कार **श्री प्रांजल दीक्षित, सुश्री श्रुति, श्री अभिषेक एल** और **श्री अरिहंत** को दिया गया।

इस प्रतियोगिता ने छात्रों को अपनी रचनात्मक प्रतिभा को प्रकट करने और शब्दों के माध्यम से अपने विचारों को व्यक्त करने का एक मंच उपलब्ध कराया। यह आयोजन आईआईटी कानपुर में कविता की गरिमा और साहित्यिक परंपरा को जीवंत रखने का एक प्रयास था।

Hindi Sahitya Sabha, in collaboration with Shivani Center, organized an online poetry recitation competition, Sangram-e-Alfaz, for the students of IIT. The competition was held from June 27 to July 4, 2024, and witnessed a large number of participants.

Students presented their self-written poems through videos, showcasing their exceptional talent in both writing and recitation. The poems covered various themes, including bravery, motherhood, love, nature, and philosophy. The student community greatly appreciated these presentations.

Under the guidance of former coordinators of the Hindi Sahitya Sabha, the best performances were shared on social media platforms like Instagram.

The winners were selected through online voting, with the participants who received the most votes being declared the winners. The winners included **Mr. Utkarsh Keserwani** in first place, **Mr. Sanjay Khara** in second place, and **Mr. Saubhagya Pandey** in third place. The consolation prize winners were **Mr. Pranjal Dixit**, **Ms. Shruti**, **Mr. Abhishek L**, and **Mr. Arihant**.

The competition served as a platform for students to express their creativity and connect with the power of words. It was an event that celebrated the beauty of poetry and the vibrant literary culture at IIT.

गतिविधियाँ /Activities

आईआईटी कानपुर के शिवानी केंद्र में पूर्व छात्र श्री राजीव रंजन का आगमन: 1 नवंबर, 2024

Visit of Alumni Mr. Rajeev Ranjan to Shivani Centre, IIT Kanpur: 1 November, 2024

Mr. Rajeev Ranjan with staff of Shivani Centre (1/11/2024)

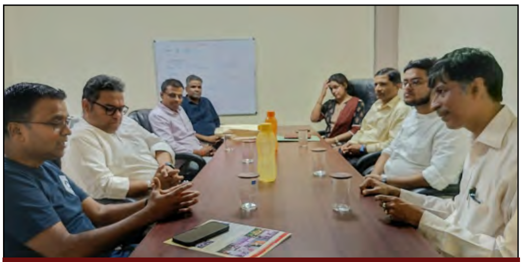

Meeting with Mr. Rajeev Ranjan at Shivani Centre (1/11/2024)

Mr. Ranjan interacting with students associated with Shivani Centre (1/11/2024)

आईआईटी कानपुर के पूर्व छात्र **श्री राजीव रंजन** 1 नवंबर, 2024 को शिवानी केंद्र पधारे। उनके स्वागत में, केंद्र के समन्वयक **प्रो. कांतेश बालानी**, सह-समन्वयक **प्रो. अर्क वर्मा** तथा केंद्र के अन्य कर्मचारी जिनमें **सुश्री मैत्रेयी अग्रवाल, श्री सुधांशु, श्री गोविंद** एवं शिवानी केंद्र के वर्चुअल लैब के सदस्य **श्रीमती सुमन त्रिपाठी, श्री विनय कुमार मिश्रा** सहित हिंदी सेल के सदस्य **श्री विजय कुमार पांडे, श्री जगदीश** और **श्री अरविंद कुमार**, शिवानी केंद्र पहुँचे। इसके अतिरिक्त अंतर्राष्ट्रीय छात्रगण **श्री सोमित (इथियोपिया), श्री अली (सीरिया), श्री उत्तम (नेपाल)** और **श्री टिम (म्यांमार)** ने भी श्री रंजन के स्वागत में भाग लिया।

प्रो. अर्क वर्मा ने श्री रंजन को शिवानी केंद्र के उद्देश्यों, गतिविधियों और भविष्य की योजनाओं के बारे में विस्तार रूप से अवगत कराया। उन्होंने छात्रों के शैक्षिक अनुभवों को समृद्ध बनाने के लिए केंद्र द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी, जिनमें साहित्यिक कार्यशालाएँ, भाषा प्रशिक्षण सत्र और सांस्कृतिक कार्यक्रम आदि शामिल हैं।

श्री रंजन ने अंतर्राष्ट्रीय छात्रों से बातचीत की तथा उनसे शिवानी केंद्र में चल रही हिंदी सीखने के कार्यक्रम में उनके अनुभवों के बारे में जानकारी प्राप्त की। इसके अलावा श्री रंजन जी ने आईआईटी कानपुर के छात्र संघ, हिंदी साहित्य सभा द्वारा छात्र समुदाय में साहित्य को बढ़ावा देने के प्रयासों में रुचि दिखाई।

श्री रंजन ने 'शिवानी स्मृति कक्ष' (शिवानी मेमोरियल हॉल) का भी दौरा किया, जो कि प्रसिद्ध हिंदी लेखिका, स्वर्गीय श्रीमती गौरा पंत, जिन्हें 'शिवानी' के नाम से जाना जाता है, की स्मृति में समर्पित है। इस कक्ष में उनके जीवन और साहित्यिक योगदान को प्रदर्शित करने वाली तस्वीरों, स्मृतियों एवं पुरस्कारों सहित एक गैलरी शामिल है।

Mr. Rajeev Ranjan, an esteemed alumnus from the batch of 1990, visited Shivani Centre during his trip to IIT Kanpur. The visit was warmly welcomed by the centre's coordinator, **Prof. Kantesh Balani**, along with co-coordinator **Prof. Ark Verma** and other staff members of Shivani Centre, including **Ms. Maitreyi Agarwal, Mr. Sudhanshu**, and **Mr. Govind**, as well as members of the Virtual Lab of Shivani Centre, such as **Ms. Suman Tripathi, Mr. Vinay Kumar Mishra**, and personnel from the Hindi Cell, including **Mr. Vijay Kumar Pandey, Mr. Jagdish,** and **Mr. Arvind Kumar**. International students **Mr. Somit (Ethiopia), Mr. Ali (Syria), Mr. Uttam (Nepal)**, and **Mr. Tim (Myanmar)** also joined the warm welcome.

Prof. Ark Verma took the opportunity to brief Mr. Ranjan in detail about Shivani Centre's objectives, activities, and future plans. He shared insights into various programs organized by the centre aimed at enriching the academic experiences of students, such as literary workshops, language training sessions, and cultural programs. Mr. Ranjan showed particular interest in learning about the experiences of international students in their journey of learning Hindi, as well as the efforts of IIT Kanpur's student body, the Hindi Sahitya Sabha, in promoting literature among the student community.

Mr. Ranjan also visited the 'Shivani Smriti Kaksh' (Shivani Memorial Hall), dedicated to the memory of the renowned Hindi writer, the late Mrs. Gaura Pant, fondly known as 'Shivani'. The room displayed a gallery of photographs, memoirs, and awards, all showcasing her life and literary contributions.

श्री रंजन का दौरा न केवल यादगार रहा, बल्कि शिवानी केंद्र के लिए अत्यंत जानकारीपूर्ण भी था। उनसे की गयी बातचीत के माध्यम से, केंद्र ने आईआईटी कानपुर में छात्रों के शैक्षिक विकास को और बेहतर ढंग से समर्थन देने के तरीकों के बारे में नए दृष्टिकोण प्राप्त किए। श्री रंजन द्वारा साझा किए गए मूल्यवान सुझावों और उनके निजी अनुभवों को, भविष्य में शिवानी केंद्र द्वारा आयोजित नवीन गतिविधियों को अधिक प्रभावी ढंग से आयोजित करने में सहायक होंगे।

Mr. Ranjan's visit proved to be not only memorable but also insightful for Shivani Centre. Through this interaction, the centre gained new perspectives on how to further support the academic development of students at IIT Kanpur. The experiences and suggestions shared by Mr. Ranjan will be valuable in organizing more impactful and innovative activities at Shivani Centre in the future.

आईआईटी कानपुर में पीजी अभिमुखीकरण कार्यक्रम: 22 जुलाई 2024

PG Orientation Program at IIT Kanpur: 22 July 2024

Prof. Ark Verma pitching Shivani Centre at PG Orientation (22/7/2024)

Query session for students at PG Orientation (22/7/2024)

Team of Shivani Centre presenting gifts to students at PG Orientation (22/7/2024)

आईआईटी कानपुर में ***पीजी अभिमुखीकरण कार्यक्रम*** मुख्य सभागार में आयोजित किया गया, जिसमें अकादमिक वर्ष 2024-2025 के लिए नामांकित सभी छात्रों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में संस्थान की विभिन्न अकादमिक और सह-पाठ्यचर्या गतिविधियों के समन्वयक और सह-समन्वयक उपस्थित थे।

सत्र में शिवानी केंद्र के सह-समन्वयक, प्रो. अर्क वर्मा और परियोजना प्रबंधक, सुश्री मैत्रेयी अग्रवाल ने केंद्र के विषय में विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने केंद्र के संस्थापकों और सदस्यों का परिचय देते हुए इसके उद्देश्यों और लक्ष्यों के बारे में सभी उपस्थित नव नामांकित छात्रों को अवगत कराया।

प्रो. वर्मा ने केंद्र के उद्देश्य को रेखांकित किया, जिसमें दूरदराज के क्षेत्रों से आने वाले छात्रों को भाषा सम्बन्धी सहायता प्रदान करना और द्विभाषी शिक्षण के माध्यम से कक्षाओं में सीखने को सरल बनाना शामिल है। उन्होंने साझा किया की शिवानी केंद्र हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में शैक्षिक सामग्री तैयार करने और अनुवाद करने पर भी काम करता है। इसके अलावा, यह हिंदी और अन्य क्षेत्रीय भाषाओं की समृद्धि को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित कार्यशालाओं, पुस्तक मेलों, सेमिनारों और अन्य कार्यक्रमों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

The ***PG Orientation program*** at IIT Kanpur was held in the main auditorium with the participation of all the students who enrolled for the academic year 2024-2025. The event witnessed the presence of coordinators and co-coordinators of various academic and co-curricular activities at the institute.

The session included detailed information about Shivani Centre, provided by its co-coordinator, Prof. Ark Verma, and project manager, Ms. Maitreyi Agarwal. They introduced the founders and members of the centre while explaining its objectives and goals. Prof. Verma highlighted the centre's mission of offering language assistance to students coming from remote areas and facilitating bilingual teaching to simplify learning in classrooms.

The centre also focuses on preparing and translating educational content in Hindi and other Indian languages. In addition, it plays a pivotal role in organizing workshops, book fairs, seminars, and events aimed at promoting the richness of Hindi and other Indian languages.

इसके अतिरिक्त, शिवानी केंद्र तकनीकी क्षेत्र में भी अपना योगदान देने में सहायक है, जैसे कि नए हिंदी फ़ॉन्ट्स विकसित करना और हिंदी तथा अन्य भाषाओं में वर्चुअल लैब विकसित करना और आईआईटी में पढ़ाये जा रहे पाठ्यक्रम पर आधारित अनुवादित शैक्षिक सामग्री तैयार करना इत्यादि।

प्रो. वर्मा ने छात्रों को सूचित किया कि शिवानी केंद्र विभिन्न साहित्यिक कार्यक्रमों का आयोजन करता है, जिनमें छात्र महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये कार्यक्रम भारतीय भाषाओं से जुड़े साहित्य और संस्कृति में जागरूकता और रुचि को बढ़ावा देते हैं, जो छात्रों के समग्र विकास के लिए महत्वपूर्ण है।

सत्र के दौरान, छात्रों ने भाषा संबंधी चुनौतियों और शिवानी केंद्र से प्राप्त होने वाले समर्थन के बारे में प्रश्न उठाए। प्रो. वर्मा और सुश्री अग्रवाल ने प्रश्नों के उत्तर दिए। इस प्रश्नोत्तर सत्र में भाग लेने वाले छात्रों को शिवानी केंद्र द्वारा उपहार प्रदान किए।

इस कार्यक्रम में शिवानी केंद्र से **प्रो. अर्क वर्मा, सुश्री मैत्रेयी अग्रवाल, श्री सुधांशु** और **श्री गोविंद** उपस्थित थे। यह अभिमुखीकरण सत्र संस्थान में आए नव नामांकित पीजी छात्रों की शैक्षणिक यात्रा के लिए एक जानकारीपूर्ण और आकर्षक शुरुआत साबित हुआ।

Further, the centre is also involved in technical contributions, such as developing new Hindi fonts and creating virtual labs and educational materials in Hindi.

Prof. Verma informed the students that Shivani Centre organizes various literary events, where students play an important role. These events foster an awareness and interest in literature and culture, which is crucial for the overall development of students.

During the session, students raised questions regarding language-related challenges and the support they could receive from the Shivani Center. Prof. Verma and Ms. Agarwal answered the queries and also presented the students with gifts from the centre.

The program was attended by **Prof. Ark Verma, Ms. Maitreyi Agarwal, Mr. Sudhanshu** and **Mr. Govind** from Shivani Center. This orientation session proved to be an informative and engaging start to the academic journey for the new PG students.

अंतर्राष्ट्रीय छात्रों कि हिंदी कक्षाओं का समापन समारोह: 16 जुलाई, 2024

आईआईटी कानपुर के *शिवानी केंद्र* में दो महीने लंबे हिंदी भाषा प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन 16 जुलाई 2024 को हुआ। इस कार्यक्रम में आईआईटी कानपुर में पढ़ने वाले कई अंतरराष्ट्रीय छात्रों ने सक्रिय रूप से भाग लिया, जिनमें *सूडान, मलेशिया, जॉर्डन, सीरिया, इथियोपिया, म्यांमार* और *श्रीलंका* जैसे देशों के छात्र शामिल थे। इन छात्रों ने हिंदी भाषा के मूलभूत पहलुओं का अध्ययन किया, जिसमें वर्णमाला, व्याकरण और संवादात्मक कौशल शामिल थे।

समापन समारोह में अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के डीन, **प्रो. बुशरा अतीक**, शिवानी सेंटर के समन्वयक, **प्रो. कांतेश बालानी**, सह-समन्वयक **प्रो. अर्क वर्मा** और शिवानी केंद्र एवं आईआईटी कानपुर के अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के कार्यालय के अन्य कर्मचारियों ने भाग लिया।

Closing ceremony of Hindi classes for International Students: 16 July, 2024

The two-month-long Hindi language training program at IIT Kanpur's Shivani Centre successfully concluded on 16th July 2024. The program saw active participation from several international students studying at IIT Kanpur, representing countries such as Sudan, Malaysia, Jordan, Syria, Ethiopia, Myanmar, and Sri Lanka. These students learned the fundamental aspects of the Hindi language, including the alphabet, grammar, and conversational skills.

The closing ceremony was attended by Dean of International Relations, **Prof. Bushra Ateeq**, Shivani Centre's coordinator, **Prof. Kantesh Balani**, co-coordinator **Prof. Ark Verma**, along with other staff members of Shivani Centre and Office of International Relations, IIT Kanpur.

समारोह के दौरान, छात्रों ने शिवानी केंद्र में हिंदी सीखने के अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम ने न केवल उन्हें भाषा को समझने में मदद की, बल्कि भारतीय संस्कृति और समाज की समझ को भी बढ़ाया। अब वे स्थानीय लोगों के साथ संवाद करने में अधिक आत्मविश्वास महसूस करते हैं।

18 मई 2024 से शुरू हुआ यह कार्यक्रम 11 जुलाई 2024 को समाप्त हुआ। इसमें विभिन्न अंतरक्रियात्मक अभ्यास शामिल थे जिन्होंने छात्रों को हिंदी में अपनी बात बोलने और समझने की क्षमता में सुधार करने में मदद की।

शिवानी केंद्र की इस पहल से संस्थान के अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को एक समर्थनकारी शैक्षिक वातावरण प्रदान करने की प्रतिबद्धता को दर्शाया गया है। ये हिंदी सीखने की कक्षाएँ अंतरराष्ट्रीय छात्रों के बीच हिंदी भाषा और भारतीय संस्कृति की गहरी समझ को बढ़ावा देने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, जिससे विविध आईआईटी कानपुर समुदाय के भीतर मजबूत संबंध बनते हैं।

During the ceremony, the students shared their experiences of learning Hindi at Shivani Centre. They expressed how the program not only helped them grasp the language but also enhanced their understanding of Indian culture and society. They now feel more confident in communicating with local people.

The program, which began on May 18, 2024, and concluded on July 11, 2024, included various interactive exercises that helped the students improve their speaking and comprehension skills in Hindi.

Shivani Centre's initiative reflects the institute's commitment to providing international students with a supportive academic environment. These classes played a key role in promoting a deeper understanding of the Hindi language and Indian culture among international students, fostering stronger connections within the diverse IIT Kanpur community.

Concluding Ceremony of Hindi Classes for International Students at Shivani Centre, IITK, with Prof. Bushra Ateeq, Prof. Kantesh Balani, Prof. Ark Verma, and the teams from DoIR, Rajbhasha Prakoshth, and Shivani Centre; 16th July 2024

एन एस एस स्वयंसेवकों द्वारा तैयार की गई शैक्षणिक सामग्री

शिवानी केंद्र, आईआईटी कानपुर, उन छात्रों की सहायता के लिए समर्पित है जो गैर अंग्रेजी भाषाई क्षेत्रों से आते हैं और आईआईटी कानपुर में पढ़ाई जाने वाली विषयवस्तु को समझने में मुश्किल महसूस करते हैं।

इस प्रयास में, रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान, गणित और अन्य इंजीनियरिंग विभागों सहित विभिन्न विषयों के कुल 20 एनएसएस छात्रों ने स्वेच्छा से हिंदी और अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में पाठ्य सामग्री के लिए ऑडियो, वीडियो और अनुवादित सामग्री तैयार की है। यह पहल एनएसएस समन्वयक **प्रो. नीरज मोहन चवाके** के मार्गदर्शन में संचालित की जा रही है।

इस परियोजना को सफल बनाने के लिए, शिवानी केंद्र ने छात्रों को सभी आवश्यक सुविधाएँ प्रदान की हैं। इनमें माइक्रोफ़ोन, रिकॉर्डर, लैपटॉप और ऑडियो-वीडियो निर्माण के लिए विशेष कमरे शामिल हैं। इस तरह, सभी छात्रों को शैक्षणिक पाठ्यक्रम तैयार करने के लिए जरूरी संसाधन उपलब्ध होंगे। यह परियोजना एनएसएस छात्रों को समाज सेवा में भाग लेने का एक सुनहरा अवसर भी प्रदान करती है।

इस प्रयास के तहत, जून 2023-24 के शैक्षणिक सेमेस्टर के PHY 112, PHY 113, PHY 114, PHY 115, MTH 111, MTH 112, और CHM 112 पाठ्यक्रमों के लिए वीडियो बनाए गए हैं, जिसमें **विनायक चंद्र श्रीवास्तव**, **जिया अग्रवाल**, **मयंक अग्रवाल**, **पंकज पंधावाले**, **हेमंत कुमार**, **मितांशी खंडेलवाल**, **दिया गुप्ता**, **सुहानी बंसल**, **अनुराग साहू**, **शौर्य सिंह** सहित अन्य छात्रों ने बीटेक प्रथम के पहले सेमेस्टर के पाठ्यक्रम के सारांश तैयार किए हैं। वर्तमान में ये विडियो सम्पादित किये जा रहे हैं, और जल्द हे ये विडियो शिवानी केंद्र की वेबसाइट पर उपलब्ध होंगे।

छात्रों, संकाय सदस्यों और शिवानी केंद्र के सदस्यों के बीच यह सहयोगात्मक प्रयास दूरदराज के क्षेत्रों से आने वाले छात्रों को भाषा संबंधी बाधाओं को दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। छात्रों के कक्षा में सीखने और समग्र शैक्षणिक विकास को सुगम बनाकर, यह पहल आईआईटी कानपुर में उनके शैक्षिक अनुभव में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रही है।

Academic Content Created by NSS Volunteers

Shivani Centre has been dedicated to supporting IIT Kanpur students who come from non-English language backgrounds and face challenges in understanding the academic content delivered in the classrooms at IIT Kanpur.

In this effort, a total of 20 NSS students from various academic streams, including Chemistry, Physics, Mathematics, and other engineering departments, have volunteered to assist in creating audio, video, and translated content for the courses in Hindi and other regional languages. This initiative is being carried out under the guidance of **Prof. Niraj Mohan Chawake**, NSS Coordinator.

To facilitate this project, Shivani Centre has provided essential resources, including microphones, recorders, laptops, and dedicated rooms for audio and video creation, ensuring the participating students have the necessary tools. This initiative also gives the NSS students an opportunity to engage in social service.

As part of this effort, videos for the following courses from the academic session of 2024-25, Semester-I, have been created and are currently being edited and uploaded to the Shivani Centre website: PHY113, PHY114, PHY115, MTH112 and CHM112. In this effort, students such as **Vinayak Chandra Srivastava**, **Jiya Agarwal**, **Mayank Agarwal**, **Pankaj Pandhawale**, **Hemant Kumar**, **Mitanshi Khandelwal**, **Diya Gupta**, **Suhani Bansal**, **Anurag Sahu**, and **Shaurya Singh**, among others, created syllabus summaries for the first semester of BTech.

This collaborative effort between students, faculty members, and Shivani Centre members plays a crucial role in helping students from remote areas overcome language barriers. By facilitating their in-class learning and overall academic growth, this initiative contributes significantly to their educational experience at IIT Kanpur.

आगामी कार्यक्रम एवं गतिविधियाँ/Upcoming Events and Activities

अखिल भारतीय कहानी लेखन प्रतियोगिता: 20 दिसंबर 2024 से जनवरी 2025

शिवानी केंद्र और हिंदी साहित्य सभा संयुक्त रूप से "अखिल भारतीय कहानी लेखन प्रतियोगिता" का आयोजन कर रहे हैं, जो 20 दिसंबर 2024 से जनवरी 2025 तक चलेगा। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य देश भर के लोगों को अपनी कहानियाँ लिखने और प्रस्तुत करने के लिए प्रोत्साहित करना है, जिससे सभी देशवासियों में हिंदी साहित्य और संस्कृति के प्रति जागरूकता बढ़ेगी।

All India Story Writing Competition: 20th December 2024 to January 2025

Shivani Centre and Hindi Sahitya Sabha are jointly organizing an All India Story Writing Competition, titled 'Akhil Bhartiya Kahani Lekhan Pratiyogita', from December 20th, 2024, to January 2025. The goal of this competition is to encourage individuals across the nation to showcase their self-written stories and, in doing so, increase awareness of Hindi literature and culture.

अनंतिनी: 4 जनवरी 2025

शिवानी केंद्र, राजभाषा प्रकोष्ठ और हिंदी साहित्य सभा मिलकर आईआईटी कानपुर के आउटरीच ऑडिटोरियम में अनंतिनी नामक एक कवि सम्मेलन का आयोजन करेंगे, जिसमें देश भर के प्रसिद्ध कवियों जैसे कि अली हैदर, बबुषा कोहली आदि भाग लेंगे। इस कार्यक्रम में कविता, शायरी और गजल सहित विभिन्न प्रकार की कविताओं का प्रदर्शन किया जाएगा।

Anantini: 4th January 2025

Shivani Centre, Rajbhasha Prakoshth, and Hindi Sahitya Sabha will jointly organize Anantini, a kavisammelan in Outreach Auditorium at IIT Kanpur that will feature eminent poets from across the country such as Ali Haider, Babusha Kohli etc. The event will showcase various genres of poetry, including poems, Shayari, and Ghazals.

अभ्युदय: 5 जनवरी 2025

शिवानी सेंटर, राजभाषा प्रकोष्ठ और हिंदी साहित्य सभा मिलकर आईआईटी कानपुर के आउटरीच ऑडिटोरियम में अभ्युदय नामक एक मनोरंजक एवं ज्ञानवर्धक कहानी वाचन सत्र आयोजित करेंगे। इस सत्र में प्रसिद्ध कहानीकार सुश्री मेहेक मिर्जा प्रभु और श्री अमनदीप भाग लेंगे। इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में हिंदी साहित्य में रुचि पैदा करना और कहानी सुनाने के प्रति प्रेम को बढ़ावा देना है।

Abhyuday: 5th January, 2025

Shivani Centre, Rajbhasha Prakoshth, and Hindi Sahitya Sabha will jointly organize Abhyuday, a Story telling session in Outreach Auditorium at IIT Kanpur. This session will feature renowned storytellers Ms. Mehek Mirza Prabhu and Mr. Amandeep. The event aims to spark interest in Hindi literature among young people and promote a love for storytelling.

अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस: 21 फरवरी 2025

अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर पर, जो दुनिया भर में 21 फरवरी को मनाया जाता है, शिवानी केंद्र और राजभाषा प्रकोष्ठ एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन करेंगे, जो भाषाई और सांस्कृतिक विविधता के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए होगा। इस कार्यक्रम का उद्देश्य हमारे परिसर समुदाय के भीतर समृद्ध भाषाई विविधता का उत्सव मनाना है।

International Mother's Language Day: 21st February 2025

On the occasion of International Mother Language Day, celebrated worldwide on February 21st, Shivani Centre and Rajbhasha Prakoshth will organize a special event to promote awareness of linguistic and cultural diversity. The event aims to celebrate the rich linguistic diversity within our campus community.

आगामी कार्यक्रम एवं गतिविधियाँ/Upcoming Events and Activities

संस्थान से जुड़े बुद्धिजनों को आमंत्रित करना: मार्च 2025

संस्थान से जुड़े विद्वानों जैसे,श्री अशोक चक्रधर, जो कि एक प्रसिद्ध लेखक, कवि और आलोचक के रूप में जाने जाते हैं, को आईआईटी कानपुर के छात्रों के साथ जुड़ने के लिए आमंत्रित किया जाएगा। ऐसे प्रतिभाशाली बुद्धिजनों के भाषाविज्ञान, अनुवाद, कला और प्रौद्योगिकी में विशेषज्ञता का उपयोग कार्यशालाओं और प्रशिक्षण सत्र के माध्यम से आई आई टी कानपुर के छात्रों को प्रभावी ढंग से संलग्न करने के लिए किया जाएगा।

Inviting Scholars-in-Residence: March 2025

Scholars-in-residence, such as the renowned author, poet, and critic Mr. Ashok Chakradhar, will be invited to engage IIT Kanpur students. Their expertise in linguistics, translation, arts, and technology will be used to conduct workshops and training sessions.

एनएसएस स्वयंसेवकों द्वारा शैक्षिक सामग्री तैयार करना

एनएसएस के समन्वयक, प्रो. नीरज चवाके एवं शिवानी केंद्र के समन्वयक, प्रो. कांतेश बालानी के मार्गदर्शन में एनएसएस स्वयंसेवक से जुड़े हुए छात्र, 2024-25 सेमेस्टर II एवं 2025-26 सेमेस्टर I, में पढ़ाये जाने वाले पहले वर्ष के पाठ्यक्रमों के लिए हिंदी या किसी अन्य क्षेत्रीय भाषा में वीडियो तथा व्याख्यात्मक पाठ्यक्रम सामग्री तैयार करेंगे। शिवानी केंद्र का प्रयास है की शिवानी केंद्र की वेबसाइट पर ऐसे पाठ्यक्रमों का एक पुस्तकालय तैयार किया जाए, जो जरूरतमंद छात्रों को आसानी से सुलभ हो सके।

Academic Content by NSS Volunteers

Under the supervision of Prof. Niraj Chawake, Coordinator of NSS, and Prof. Kantesh Balani, Coordinator of Shivani Centre, NSS volunteers will create videos and annotated course material in Hindi or any other Indian language for first-year courses offered in the 2024-25, Semester II and 2025-26, Semester I.

स्टाफ़ सदस्य और संपर्क - Staff Members & Contacts

सुश्री मैत्रेयी अग्रवाल
(परियोजना प्रबंधक)
Ms. Maitreyi Agarwal
(Project Manager)

श्री जगदीश प्रसाद
(वरिष्ठ तकनीकी अधीक्षक)
Mr. Jagdish Prasad
(Senior Technical Superintendent)

श्री. विजय कुमार पांडेय
(राजभाषा अधिकारी)
Mr. Vijay Kumar Pandey
(Hindi Officer)

श्री. दुर्गेश कुमार मिश्र
(कनिष्ठ तकनीकी निदेशक)
Mr. Durgesh Kumar Mishra
(Junior Technical Superintendent)

श्री अरविंद कुमार
(कनिष्ठ सहायक)
Mr. Arvind Kumar
(Junior Assistant)

श्री नितेश कुमार
(उप परियोजना प्रबंधक)
Mr. Nitesh Kumar
(Deputy Project Manager)

श्री सुधांशु गौतम
(परियोजना सहयोगी)
Mr. Sudhanshu Gautam
(Project Associate)

श्री गोविन्द शर्मा
(सहायक परियोजना प्रबंधक)
Mr. Govind Sharma
(Assistant Project Manager)

श्री लाल चंद
(परिचारक)
Mr. Lal Chand
(Attendant)

श्री मुक्तेश (मिक्की) पंत
शिवानी केंद्र के उदार दानदाता,
आईआईटी कानपुर के पूर्व छात्र (BT/CH/76)
Mr. Muktesh (Micky) Pant
Generous Donor for Shivani Centre,
Alumnus of IIT/K (BT/CH/76)

प्रो. कांतेश बालानी
शिवानी केंद्र समन्वयक, आईआईटी कानपुर
Prof. Kantesh Balani
Coordinator of Shivani Centre, IIT Kanpur

प्रो. अर्क वर्मा
शिवानी केंद्र सह-समन्वयक, आईआईटी कानपुर
Prof. Ark Verma
Co-coordinator of Shivani Centre, IIT Kanpur

संपर्क

पता: प्री-इंजीनियरिंग बिल्डिंग,
ब्लॉक- एफ़ (कारगिल चौराहे के पास) आई आई टी कानपुर ,
कानपुर -208016, उत्तर प्रदेश, भारत

दूरभाष: 91 -512 -159 -7074 (कार्यालय)

Contact

Address: Pre-Engineering Building, Block-F, (Near Kargil Chauraha) IIT Kanpur, Kanpur-208016, Uttar Pradesh, India

Tel. number: 91 -512 -159 -7074 (office)

सम्पादन सहयोग : सुश्री मैत्रेयी अग्रवाल, श्री गोविन्द शर्मा , प्रो.अर्क वर्मा, प्रो. कांतेश बालानी **अभिकल्प: श्री गोविन्द**

Edited by: Ms. Maitreyi Agarwal, Mr. Govind Sharma, Prof. Ark Verma, Prof. Kantesh Balani **Designed by: Mr. Govind**

Jagriti means awakening and awareness.
जागृति का अर्थ जागरूकता और सतर्कता है।